

विविध-

हड्डियों के लिए खतरनाक है...

विचार-

अमरीकी सामाजिक व्यवस्था प्रबंधन...

खेल-

भारत अंडर-19 से हारा ऑस्ट्रेलिया...

चिंता मत करिए, सरकार दिलाएगी न्याय

जनता दर्शन में सख्त दिखे योगी, अफसरों को दिए कड़े निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया जिसमें विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के प्रति आश्वासन दिया। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और समस्यावर्धिकायत लेकर आए लोगों से कहा कि चिंता मत करिए, सरकार हर व्यक्ति की समस्या का समाधान प्रतिबद्धता से कराएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी



योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। उन्होंने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए तुरंत और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को

भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएगी। मुख्यमंत्री ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए। बुधवार को भी जनता दर्शन में कुछ लोग गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर

आए थे। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार विवेकाधीन कोष से धन उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ जब भी गोरखनाथ मंदिर प्रवास पर होते हैं तो प्रातरुकाल गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने के बाद अपने पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर शीश झुकाना, आशीर्वाद लेना उनकी दिनचर्या में शामिल होता है। पर, इस बुधवार उनके लिए गुरु की विशेष पूजा का अवसर था। बुधवार (आश्विन कृष्ण चतुर्थी) को ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 12वीं पुण्यतिथि पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी विशेष पूजा अर्चना की। मंदिर प्रवास के दौरान पारंपरिक दिनचर्या के अनुसार मुख्यमंत्री गोसेवा करने गोशाला में भी पहुंचे। यहां उन्होंने गायों और गोवंश को स्नेहिल भाव से गुड़ खिलाया। गोशाला में मुख्यमंत्री के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों से आए संतजन भी उपस्थित रहे।

चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्षी दल एकजुट

दो अक्टूबर से देशभर में चलायेंगे 'लोकतंत्र बचाओ' अभियान



नयी दिल्ली, एजेंसी। विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग और मोदी सरकार पर 'वोट चोरी' के आरोप लगाते हुए देश भर में दो अक्टूबर से आठ अक्टूबर तक श्लोकतंत्र बचाओ अभियान चलाने की घोषणा की है। गठबंधन की बुधवार को यहां करीब ढाई घंटे चली बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संवाददाताओं को बताया कि बैठक में चुनाव आयोग और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर मिलकर लड़ाई लड़ने की प्रतिबद्धता दोहराई गयी। बैठक में बीस दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया। श्री खरगे ने कहा कि गठबंधन के घटक दल दो अक्टूबर से आठ अक्टूबर तक देश के प्रत्येक जिले में लोकतंत्र बचाओ अभियान चलायेंगे तथा जिलाधिकारियों के कार्यालयों के

बाहर प्रदर्शन किया जायेगा। छह अक्टूबर को सभी विपक्षी दलों के सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन का प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर श्वोट चोरीश से जुड़े मुद्दों तथा सरकार के क्रियाकलापों पर अपनी चिंता से उन्हें अवगत करायेगा। इस अभियान में जनता, युवाओं, तथा लोकतंत्र

मोदी आज संघ लोक सेवा आयोग के शताब्दी समारोह को करेंगे संबोधित

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को यहां भारत मंडप में संघ लोक सेवा आयोग के शताब्दी समारोह को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को बताया कि यह कार्यक्रम पूरे वर्ष चले शताब्दी समारोह का समापन होगा, जो पिछले वर्ष एक अक्टूबर को शुरू हुआ था। दो दिन का यह समारोह 1926 में संघ लोक सेवा आयोग की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री 100 महत्वपूर्ण ऐतिहासिक निर्णय पुस्तक का विमोचन करेंगे।

गुजरात के आणंद में भीषण सड़क हादसा, 5 लोगों की मौत, पीएम मोदी ने जताया शोक

आणंद, एजेंसी। गुजरात के आणंद जिले में अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया।



एक प्राइवेट बस और ट्रक की टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी है। इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुख जताया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के एक पोस्ट में पीएम मोदी के हवाले से लिखा गया, गुजरात के आणंद में हुए हादसे में लोगों की जान जाने से बहुत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना।

सुरक्षा बलों ने बडगाम में मुठभेड़ में एक आतंकवादी को मार गिराया

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में बडगाम जिले के यूसमर्ग के ऊपरी इलाकों में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक संदिग्ध आतंकवादी को मार गिराया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ मंगलवार देर रात तब शुरू हुयी जब सुरक्षा बलों ने खास खुफिया जानकारी के आधार पर यूसमर्ग के कोराग इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। सेना ने कहा कि भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने यूसमर्ग के कोराग इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। सेना की श्रीनगर में चिनार कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्लौकस सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दिये जाने पर आतंकवादियों ने उन पर गोलियां चला दीं, जिसके बाद दोनों तरफ से जमकर गोलीबारी हुई, जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। अभियान जारी है। हालांकि सेना और पुलिस ने अभी तक मारे गए आतंकवादी की पहचान नहीं बताई है, लेकिन सुरक्षा सूत्रों को शक है कि वह एलईटी से जुड़ा एक पाकिस्तानी आतंकवादी था। इस महीने बडगाम के जंगलों में यह दूसरी मुठभेड़ है। गत चार सितंबर को एलईटी से जुड़ा और पाकिस्तानी नागरिक यासिर कथित तौर पर कई सालों से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय था, बडगाम के ऊंचाई वाले अशदर गली इलाके में एक मुठभेड़ में मारा गया था। सुरक्षा बलों को शक था कि उस मुठभेड़ के दौरान एक और आतंकवादी भागने में कामयाब रहा। इसके बाद सुरक्षा बलों ने संदिग्ध आतंकवादी का पता लगाने के लिए बडगाम के पहाड़ी और जंगली इलाकों में तलाशी तेज कर दी।

सुप्रीम कोर्ट से बंगाल पुलिस को झटका, मिलन प्रधान की अंतरिम जमानत पर तुरंत सुनवाई से इनकार

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल पुलिस ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी, जिसके तहत कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव लड़ने के लिए अंतरिम जमानत दी गई थी। यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत के सामने रखा गया, जिसमें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मांग की कि पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका को सुनवाई के लिए गुरुवार को लिस्टिंग की जाए। एसजी मेहता ने तुरंत लिस्टिंग की मांग करते हुए कहा कि चुनाव के बाद सुनवाई होने पर याचिका बेअसर हो जाएगी। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल ने कहा, उन्हें चुनाव के लिए जमानत दी गई है। क्या मैं कल मौका ले सकता हूँ? बस यही कह रहा हूँ। हालांकि, सीजेआई ने गुरुवार को मामले को लिस्ट करने से इनकार कर दिया और कहा कि शीर्ष अदालत का बोर्ड पहले से ही बहुत लंबा है। सीजेआई ने कहा, हमारा बोर्ड बहुत लंबा है। हम निश्चित रूप से इसे खारिज कर देंगे, लेकिन हम इसे सोमवार को खारिज करेंगे, कल नहीं। जब एसजी मेहता ने फिर से अनुरोध किया कि मामले को गुरुवार को लिस्ट किया जाए, तो सीजेआई ने दोहराया, नहीं। सोमवार। पश्चिम बंगाल पुलिस ने कलकत्ता उच्च न्यायालय की एकल-न्यायाधीश पीठ द्वारा नंदीग्राम उपचुनाव लड़ रहे कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को दी गई अंतरिम जमानत को चुनौती दी है। मंगलवार को जस्टिस तीर्थकर घोष ने प्रधान को 20 अक्टूबर तक अंतरिम जमानत दी और विशेष रूप से कहा कि यह राहत उन्हें उपचुनाव लड़ने और अन्य उम्मीदवारों की तरह चुनाव प्रचार में स्वतंत्र रूप से भाग लेने में सक्षम बनाने के लिए दी जा रही है।



पंजाब को 31 दिसंबर 2029 तक नशामुक्त करने का लक्ष्य : शाह

जालंधर, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पंजाब में जालंधर के परागपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शनशामुक्त पंजाब यात्रा के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में पार्टी की सरकार बनने पर नशीले पदार्थों के कारोबार को खत्म करने के लिए कठोर कार्रवाई की जायेगी।

श्री शाह ने पंजाब को 31 दिसंबर 2029 तक नशामुक्त करने का लक्ष्य रखा और कहा कि राज्य में नशीले पदार्थों के कारोबार को खत्म करने के लिए भाजपा सरकार बनने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी और



नशीले पदार्थों की आपूर्ति करने वालों को जेल भेजा जाएगा। श्री शाह ने कहा कि भाजपा की चार शनशामुक्त पंजाब यात्राओं ने 13 दिनों में राज्य के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा

करते हुए करीब 4,000 किलोमीटर की दूरी तय की है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि पंजाब को नशे से बचाने का संकल्प है।

गंगानाथ झा परिसर में हिन्दी परववाड़ा कार्यक्रम का समापन

भावनाओं की अभिव्यक्ति का श्रेष्ठ माध्यम है हिन्दी भाषा-श्री उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर प्रयागराज में हिन्दी पखवाड़ा समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत परिसरीय कर्मचारियों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 14-09-2026 से आरम्भ हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में जहाँ संभाषण/काव्य प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने भाषा अभिव्यक्ति कौशल का प्रदर्शन किया वहीं हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता एवं हिन्दी टंकण प्रतियोगिता द्वारा कार्यालय में हिन्दी के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु इन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। समापन कार्यक्रम में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत कर उन सभी का उत्साहवर्धन किया गया। हिन्दी पखवाड़ा समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, वरिष्ठ साहित्यकार, मूर्धन्य पत्रकार एवं समाजसेवी रहे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री वीरेन्द्र पाठक, वरिष्ठ साहित्यकार, पत्रकार, समाजसेवी रहे। श्री

वीरेन्द्र पाठक ने अपने उद्बोधन में हिन्दी भाषा की सर्वव्यापकता को लोकप्रियता का मापदण्ड बताया। उन्होंने हिन्दी भाषा को सम्भेषण का माध्यम बताया तथा हिन्दी को विभिन्न भाषाओं को



समाहित करने वाली व्यापक भाषा बताया। पत्रकारिता के अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने हिन्दी को भावनाओं की सहज अभिव्यक्ति करने वाली भाषा बताया। अंग्रेजी भाषा को मात्र प्रदर्शन का प्रतीक बताते हुए उन्होंने हिन्दी भाषा के अधिकाधिक प्रयोग करने को प्रेरित किया। उन्होंने हिन्दी में कार्य करने को प्राथमिकता देकर ही हिन्दी पखवाड़ा जैसे कार्यक्रमों की सार्थकता बताया। हिन्दी

पत्रकारिता के स्थापित स्तम्भ के रूप में मुख्य अतिथि श्री उमेश चन्द्र श्रीवास्तव ने हिन्दी भाषा की विशालता एवं गम्भीरता से उपस्थित जनों को परिचित कराया। उन्होंने हिन्दी में बिन्दी

हुए उन्होंने अपनी कृतियों स्मृति एवं प्रकृति में वर्णित छन्दों का उल्लेख किया। चुनौतीपूर्ण लेखन की हिन्दी भाषा में अपार सम्भावनाएं बताते हुये सभी को हिन्दी में लेखन एवं रचना करने



को प्रेरित किया। "ज्ञान की गंग धारा बहेगी यहाँ ज्ञान चक्षुओं को बस खोलकर देखिये...." पंक्तियों के द्वारा उन्होंने हिन्दी की आवश्यकता पर बल दिया। "मनुष्य को मनुष्य बनाने के लिए कोई कारखाना चलाना चाहिए" जैसे काव्यपंक्तियों के द्वारा उन्होंने सभी श्रोतागणों को मन्त्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर के निदेशक प्रो.

रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने हिन्दी को किसी भी भाषा की प्रतिस्पर्धी न मानकर सभी भाषाओं की समावेशी भाषा बताया। हिन्दी भाषा में तद्भव, तत्सम, देशज एवं विदेशज जैसे

चार प्रकार के शब्दों का उल्लेख करते हुए उन्होंने हिन्दी भाषा को विश्व की अनेक भाषाओं के शब्दों को अंगीकृत करने वाली भाषा बताया। इसके पूर्व परिसर के राजभाषा अधिकारी (प्रभारी) एवं कार्यक्रम के सहसंयोजक राजेश कान्त तिवारी ने समस्त उपस्थित जनों का स्वागत किया। उन्होंने परिसर में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से सम्बन्धित विवरण प्रस्तुत किया तथा नराकास -2 के सम्पादक

मण्डल में सम्मिलित होने को परिसर की विशेष उपलब्धि भी बताया। हिन्दी को भावाभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बताते हुए उन्होंने हिन्दी के लिए "प्रेम स्नेह भव है जिसमें, जिससे जुड़ी हर आशा है, मिश्री से भी मीठी है जो, हम सबकी हिन्दी भाषा है" जैसी पंक्तियों द्वारा सभी को हिन्दी भाषा की मिठास से परिचित कराया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय ने हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं एवं उनके विजेताओं के नामों की घोषणा की। हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्यअतिथि एवं निदेशक महोदय के द्वारा सम्मानित करते हुए प्रमाणपत्र प्रदान किये गये तथा धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. मोनाली दास, डॉ. मंगलदेव त्रिपाठी, डॉ. अंजनी कुमार पुण्डरी, श्री अंकित मिश्र, श्री वरुण कुमार तिवारी, श्री संजय कुमार मिश्र, सुश्री अश्विनी लंके, अंजू मिश्रा, मंजू देवी समेत समस्त परिसरीय सदस्य उपस्थित रहे।

सपा नेता रामगोविंद चौधरी की अस्थियां संगम में विसर्जित, सपाइयों ने दी श्रद्धांजलि

प्रयागराज। समाजवादी नेता, प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री रहे स्व. राम गोविंद चौधरी की अस्थियां आज संगम में विसर्जित की गई।स्थानीय सपा जनों ने भी उनके चित्र पर फूल माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। समाजवादी नेता, प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री



रहे स्व. राम गोविंद चौधरी की अस्थियां आज संगम में विसर्जित की गई।स्थानीय सपा जनों ने भी उनके चित्र पर फूल माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। स्व चौधरी जी की अस्थियां आज उनके परिजनों ने विधि विधान से संगम में विसर्जित किया। इस मौके पर सपा महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, महासचिव रविंद्र यादव, विश्राम चौधरी, लालबाबू चौधरी, सुनील मौर्य, कृष्णमूर्ति यादव,राम बचन यादव, नीरज सिंह, हर्षेंद्र सिंह, मृगराज सिंह,तारिक सईद अज्जू, अखिलेश गुप्ता, आदिल हमजा, देवीलाल यादव, अजीत सिंह, दिलीप सोनकर, सऊद, राघवेंद्र, विजय, श्रवण, सुनील, नीरज पटेल, जय भारत, महेंद्र निषाद, प्रभात यादव, संतोष यादव, अवनीश यादव, अजीत, विकास आदि मौजूद रहे।

सिल्वर मेडलिस्ट आभा को डिप्टी सीएम ने किया सम्मानित

प्रयागराज। पुरुषोत्तमपुर उर्फ गारापुर की मेधावी छात्रा आभा मौर्य का चयन पोलैंड की राजधानी वारसों स्थित प्रतिष्ठित संस्थान निकोलस कोपरनिकस एस्ट्रोनॉमिकल सेंटर, पोलिश



एकेडमी ऑफ साइंसेज में रिसर्च असिस्टेंट इन एस्ट्रोनॉमी के पद पर हुआ है। आभा की इस उपलब्धि से पिता ज्ञानचंद और मां विद्यालमा मौर्य ने खुशी जताई है। आभा मौर्य एनआईटी दिल्ली की सिल्वर मेडलिस्ट है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को लखनऊ स्थित आवास पर उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधान द्वारिका मौर्य, अनिरुद्ध सिंह पटेल, रविशंकर शुक्ला, डॉ. ज्वाला प्रसाद कुशवाहा, लवकेश मिश्रा, राम सजीवन कुशवाहा, भूपेंद्र मिश्रा और एडवोकेट विपिन पांडेय आदि रहे।

नकब लगाकर बिजली विभाग के संविदा कर्मों के घर चोरी

प्रयागराज। जगुआ सोधा गांव के गोसाईपुर मजरे में सोमवार की रात बिजली विभाग के एक संविदा कर्मी (लाइनमैन) के खपरैल घर में नकब लगाकर बदमाशों ने लगभग 5 लाख का सोने–चांदी का जेवरात व 20 हजार रुपये नकद चोरी कर



लिया। गांव निवासी रामनारायण बिंद हंडिया टाउन में बिजली विभाग के संविदा कर्मी (लाइनमैन) हैं। सोमवार की रात परिवार के कुछ लोग खपरैल घर में तथा कुछ लोग बगल स्थित कमरे में सो रहे थे। रात में बदमाश नकब लगाकर घर के अंदर प्रवेश कर गए। जिस कमरे में लोग सो रहे थे उसमें बाहर से कुंडी बंद कर दिए। शेष कमरों का दरवाजा खोलकर उसमें रखा गया बक्सा, अटैची और अलमारी को बेखौफ होकर खंगाल डाले। पत्नी तथा बेटियों की शादी के लिए बनवा कर रखे गए सोने चांदी के आभूषण व 20 हजार रुपये नकद समेत कर चंपत हो गए। पीड़ित ने पुलिस को घटना की जानकारी दी है। कोतवाल ओमप्रकाश ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

अवैध कब्जे पर चला प्रशासन का बुलडोजर

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के दुसौती गांव में मंगलवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। लोक निर्माण विभाग की जमीन पर हुए अवैध कब्जे को हटाया गया। बुलडोजर चलाकर एक मकान को जमींदोज कर दिया गया। इस कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध कब्जा धारकों में हडकंप मच गया। दुसौती गांव निवासी राघवेंद्र सिंह ने इस पर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कई वर्ष पूर्व एक महिला ने यह मकान खरीदा था। यह मकान लोक निर्माण विभाग की जमीन पर बना था। मकान के पीछे एक अधिवक्ता की जमीन भी है। दोनों पक्षों के बीच यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। राघवेंद्र सिंह के अनुसार, न्यायालय का स्थगन आदेश होने के बावजूद प्रशासन ने मंगलवार को मकान गिरा दिया। पीड़ित ने संबंधित कार्रवाई के आदेश की प्रति मांगी थी। स्थानीय प्रशासन ने उनकी इस मांग को अनसुना कर दिया।



इविवि गेट के सामने प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर प्राथमिकी दर्ज, चीफ प्रॉक्टर की तहरीर पर कार्रवाई

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार को कथित तौर पर अवरुद्ध कर आवागमन और

विश्वविद्यालय के कामकाज में बाधा डालने के मामले में कर्नलगंज पुलिस ने नौ नामजद लोगों के ि।ला.फ.एफआईआर दर्ज की है। कुलसचिव को जबरन गाड़ी से नीचे उतारने का भी आरोप है। ि।का.य.त.कुलानुशासक प्रो. पवन कुमार शर्मा की ओर से दी गई थी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के गेट पर प्रदर्शन करने और कुलसचिव की गाड़ी रोककर उन्हें नीचे उतारने के मामले में कर्नगलंज थाने में प्राथमिकी

खिलाफ एफआईआर दर्द कर

छानबीन शुरू कर दी है।

तहरीर के अनुसार मंगलवार को सायं 5.20 बदे विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार को इस तरह अवरुद्ध किया गया कि

उन्हें जबरन वाहन से उतारने

और दबाव बनाने का प्रयास

किया गया। मामले में नौ लोगों

की भूमिका प्रथमदृष्ट्या सामने

आने की बात शिकायत में कही

गई है।

अभियान के दौरान पीटीओ के चालक का नोट गिनते हुए वीडियो वायरल, आरटीओ ने दर्ज कराई एफआईआर

प्रयागराज। प्रयागराज में यात्री बसों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन कवच 2.0 के दौरान सरकारी वाहन में निजी व्यक्ति के रुपये गिनने का वीडियो वायरल होने के मामले में दारागंज थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। आरटीओ प्रवर्तन अधिकारी सत्येंद्र प्रकाश सिंह की तहरीर पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 204 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वीडियो में नकदी गिनने वाला व्यक्ति यात्रीकर/मालकर अधिकारी रणवीर सिंह चौहान को आवंटित सरकारी वाहन में बैठा दिखाई दे रहा है।

यात्री बसों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन कवच 2.0 के दौरान सरकारी वाहन में नकदी गिनने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ गया है। आरटीओ प्रवर्तन सत्येंद्र प्रकाश सिंह की तहरीर पर दारागंज थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 204 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तहरीर के मुताबिक, वायरल वीडियो में पुष्पेंद्र सिंह नाम का व्यक्ति यात्रीकर/मालकर अधिकारी रणवीर सिंह चौहान को आवंटित सरकारी वाहन न् 32 थ्छ 3603 में बैठकर नकदी

किया गया है। मामले की जांच

अजय कुमार को सौंपी गई है।

इससे पहले मंगलवार को

वायरल वीडियो में एक स्लीपर

बस के पास श्रद्धालुओं के उतरने

और सरकारी वाहन की पीछे

की सीट पर बैठे व्यक्ति के

रुपये गिनने का दृश्य सामने

आया था। वीडियो के बाद 10

हजार रुपये की वसूली की

चर्चा शुरू हुई थी। हालांकि,

वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि संवाद

न्यूज एजेंसी नहीं करती है।

अधिकारी ने आरोपों को

बताया गलत

यात्रीकर अधिकारी रणवीर

सिंह चौहान ने बताया कि

विश्वविद्यालय की सामान्य

गतिविधियां प्रभावित हुईं। इसी

दौरान विश्वविद्यालय के

कुलसचिव की गाड़ी को रोककर

एफआईआर में नामजद लोगों में गौरव कुमार, आशुतोष मौर्य, अनुराग यादव, प्रियंशु भुरतिया, आयुष यादव, अमित यादव, रोश कुमार, राकेश कुमार और ऋषिकेश शामिल हैं। इनमें कई इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र बताए गए हैं।

पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मामले की जांच उपनिरीक्षक अरिहंत जैन को सौंपी गई है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर की सुरक्षा, सामान्य आवागमन और शैक्षणिक गतिविधियों को देखते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

अभियान के दौरान पीटीओ के चालक का नोट गिनते हुए वीडियो वायरल, आरटीओ ने दर्ज कराई एफआईआर

गिनता दिखाई दे रहा है। वीडियो

को सोशल मीडिया और विभिन्न

संचार माध्यमों में रिश्वत की

रकम के रूप में प्रसारित किए

जाने का भी तहरीर में उल्लेख

रुपये गिनने वाला पुष्पेंद्र सिंह

उनका रिश्तेदार है और

सरकारी चालक नहीं होने के

कारण उसे निजी चालक के

तौर पर रखा गया है। उन्होंने



किया गया है। मामले की जांच

अजय कुमार को सौंपी गई है।

इससे पहले मंगलवार को

वायरल वीडियो में एक स्लीपर

बस के पास श्रद्धालुओं के उतरने

और सरकारी वाहन की पीछे

की सीट पर बैठे व्यक्ति के

रुपये गिनने का दृश्य सामने

आया था। वीडियो के बाद 10

हजार रुपये की वसूली की

चर्चा शुरू हुई थी। हालांकि,

वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि संवाद

न्यूज एजेंसी नहीं करती है।

अधिकारी ने आरोपों को

बताया गलत

यात्रीकर अधिकारी रणवीर

सिंह चौहान ने बताया कि

वसूली के आरोपों को गलत

बताया। अधिकारी के अनुसार,

बस का 41 हजार रुपये का

चालान किया गया था। इसमें

23 हजार रुपये ऑनलाइन और

18 हजार रुपये नकद जमा

किए गए थे।

आरटीओ प्रवर्तन अधिकारी

सत्येंद्र प्रकाश सिंह ने बताया

कि सरकारी वाहन में यात्रीकर

अधिकारी मौजूद थे और वह

आगे की सीट पर बैठे थे।

पीछे की सीट पर निजी चालक

के बैठने और रुपये गिनने को

लेकर पूछताछ की जा रही है।

बसों में मिलीं ये खामियां

ऑपरेशन के दौरान

20 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में नगर निगम की राजस्व निरीक्षक गिरफ्तार

प्रयागराज। भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) की टीम ने नगर निगम के जोन सात कार्यालय में तैनात राजस्व निरीक्षक राधा देवी को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) की टीम ने नगर निगम के जोन सात कार्यालय में तैनात राजस्व निरीक्षक राधा देवी को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इन पर उपभोक्ता से बढ़े हुए गृहकर को संशोधित करने के एवज में रुपये मांगने का आरोप

है। शांतिपुरम निवासी शारिक

अहमद ने एंटी करप्शन में

20 हजार रुपये की मांग कर

रही हैं। शिकायत पर एंटी



शिकायत की थी।

आरोप था कि मां के नाम

दर्ज मकान के बढ़े हुए गृहकर

को संशोधित करने के एवज

में राजस्व निरीक्षक राधा देवी

करप्शन टीम ने मामले की

जांच की और मंगलवार को

ट्रैप की कार्रवाई की। 14

सदस्यीय टीम नगर निगम

जोन-7 फाफामऊ कार्यालय

रामावतार सामाजिक मर्यादा व राजधर्म पालन का आईना: शिवश्याम

प्रयागराज। धनुपुर ब्लॉक के पूरेसत्यभामा गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन श्रीधाम वृंदावन के आचार्य शिवश्याम महाराज ने कृष्णावतार एवं रामावतार की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु का रामावतार सामाजिक मर्यादा एवं राजधर्म पालन तथा कृष्णावतार धर्म स्थापना का आईना है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों के आदर्श का पालन ही कथा श्रवण की सार्थकता है। इस मौके पर विजयशंकर पांडेय, हृदयशंकर पांडेय,आद्याप्रसाद पांडेय, विद्याप्रसाद पांडेय, अखिलेश पांडेय, सुनील पांडेय, सुशील पांडेय, अवनीश दुबे मौजूद रहे।



दुर्घटना में घायल युवक की 12 दिन बाद मौत

प्रयागराज। कस्बे के मंगलवारी बाजार निवासी लखन केशरी (35) की सड़क हादसे में घायल होने के 12 दिन बाद मंगलवार को तड़के सुबह करीब तीन बजे उसकी मौत हो गई। भीरपुर के पास तेज रफ्तार बस से उसकी टक्कर हो गई थी, हादसे में पति–पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। परिजनों ने घायलों को एसआरएन अस्पताल, प्रयागराज में भर्ती कराया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने सात दिन पहले लखन को लखनऊ अपोलो अस्पताल में रेफर कर दिया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। चौकी प्रभारी हर्षकुमार ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेनों का विस्तार फिर भी जंघई जंक्शन पर अब तक शौचालय नहीं

प्रयागराज। जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों और यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन सार्वजनिक शौचालय अब भी नहीं बन सका है। जबकि अमृत भारत स्टेशन योजना में चयनित इस महत्वपूर्ण जंक्शन पर रोजाना हजारों यात्रियों को आवाजाही होती है। वाराणसी–प्रतापगढ़ रेलखंड पर स्थित जंघई जंक्शन से मुंबई, दिल्ली और कोलकाता सहित कई महानगरों के लिए यात्री ट्रेन पकड़ते हैं। स्टेशन पर प्रतिदिन करीब पांच से छह हजार यात्रियों का आवागमन होता है। स्टेशन की वार्षिक आय भी करीब 20 करोड़ रुपये होती है। ऐसे में यात्रियों को शौचालय



जैसी मूलभूत सुविधा नहीं मिलना सवाल खड़ा करता है।

वर्ष 2023 में जंघई जंक्शन को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल किया गया था। स्टेशन के विकास के लिए करीब 90 करोड़ रुपये की योजना की बात कही गई थी। प्लेटफॉर्म विस्तार समेत कई कार्य कराए गए, जिससे यात्रियों को राहत तो मिली है। सार्वजनिक शौचालय का निर्माण अभी तक शुरू नहीं हो सका है। मंगलवार को मुंबई से जंघई पहुंचे यात्री राधेश्याम, गंगेश, शिवानी, प्रतिभा मिश्रा, प्रमिला, सुनील कुमार और सुनीता देवी ने बताया कि इतनी लंबी यात्रा के बाद स्टेशन पर शौचालय की सुविधा नहीं मिलती। यात्रियों को आसपास या दूसरे स्थानों का सहारा लेना पड़ता है।

प्रस्तावित है शौचालय, निर्माण का इंतजार प्लेटफॉर्म नंबर एक के पास सार्वजनिक शौचालय के लिए जगह प्रस्तावित है। दिसंबर 2024 में यहां करीब 15 लाख रुपये की लागत से सुलभ शौचालय बनाए जाने की जानकारी सामने आई थी, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका।

महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी महिला यात्रियों के लिए शौचालय का अभाव सबसे बड़ी समस्या है। बुजुर्ग महिलाओं और बच्चों के साथ यात्रा करने वाली महिलाओं को भी काफी परेशानी होती है। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन के विकास और सुंदरीकरण के साथ शौचालय जैसी जरूरी सुविधा का निर्माण भी प्राथमिकता से कराया जाना चाहिए।

20 एक्सप्रेस और दो पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव जंघई जंक्शन पर प्रतिदिन करीब 20 एक्सप्रेस और दो पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव होता है। करीब 16 ट्रेनें बिना रुके गुजरती हैं। वाराणसी से प्रयागराज, प्रतापगढ़ से वाराणसी और मडियाहू से प्रतापगढ़ जाने वाले यात्रियों के लिए भी यह महत्वपूर्ण स्टेशन है। जंक्शन स्टेशन जंघई परिसर में सार्वजनिक शौचालय के लिए जगह प्रस्तावित है। जल्द ही इसका निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। शौचालय को पे एंड यूज के तहत संचालित किया जाएगा।— कोमल सिंह, स्टेशन अधीक्षक जंघई जंक्शन।

फुंका ट्रांसफार्मर, हफ्ते भर से ग्रामीण अंधेरे में

प्रयागराज। अकारीपुर स्थित विद्युत उपकेंद्र के रैया फीडर से जुड़े धामापुर बलकरनपुर गांव में 10 केवीए का ट्रांसफार्मर पिछले एक सप्ताह से जल जाने से बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। ग्रामीण कलिंग यादव ने बताया कि ट्रांसफार्मर बदलने के लिए सोरांव विद्युत उपकेंद्र के एसडीओ से कई बार शिकायत की गई लेकिन कोई समाधान नहीं किया गया। जिसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एसडीओ जेके यादव से जानकारी के लिए संपर्क किया गया तो विभागीय मोबाइल नंबर बंद मिला।

गड्ढे भरी सड़क में हिचकोले खा रहे राहगीर

प्रयागराज। बहरिया के बेनीपुर से मऊआइमा जाने वाला पांच किलोमीटर लंबी सड़क मार्ग से करीब 50 गांवों के लोग रोज आवागमन करते हैं। मऊआइमा बाजार, स्कूल, अस्पताल और अन्य जरूरी कामों से जाने के लिए ग्रामीण इसी रास्ते पर निर्भर हैं। सड़क पर जगह–जगह डामर और गिट्टियां उखड़ चुकी हैं। बाइक सवार, कार चालक और स्कूली वाहन गड्ढों से बचते हुए निकलने को मजबूर हैं। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का पता नहीं चलता, जिससे हादसे का खतरा बना रहता है। ग्रामीण अजय कुमार मिश्रा, वेद प्रकाश ने बताया बाइक सवार रामसजीवन उखड़ी गिट्टियों पर फिसलकर गिर गए थे। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने सड़क का चौड़ीकरण कराने के साथ जल्द मरम्मत कराने की मांग की है।



सम्पादकीय.....

सवाल पूछो तो थप्पड़, यही है भाजपा राज

भाजपा में सत्ता का अहंकार इस कदर बढ़ चुका है कि अब वो जनता को नागरिक नहीं अपनी प्रजा की तरह देखने लगी है, बल्कि प्रजा भी नहीं गुलाम मानने लगी है। गुलामों को अपने मालिकों, शासकों के रहमोकरम पर रहना पड़ता है। जो मिल जाए, उसके लिए उन्हें धन्यवाद देना पड़ता है। जो न मिले, उस पर सवाल करने का कोई हक उन्हें नहीं होता। भारत के लोकतंत्र को मोदी शासनकाल में राजशाही में इसी तरह तब्दील किया जा रहा है। इसलिए जब मोदी या भाजपा का कोई भी सत्ताधारी छोटी–मोटी परियोजना का भी शिलान्यास करे, तो उसे बड़ी सौगात कहा जाता है। लेकिन जब इन परियोजनाओं में खामी निकले और लोग सवाल करें तो जवाब की जगह उन्हें थप्पड़ मिलता है। राजशाही में तो फिर भी राजा प्रजा को कोई सौगात दे तो वह अपने राजकोष से ही खर्च करता है। लेकिन इस समय विडंबना यह है कि जनता से लिए टैक्स के पैसे से ही देश में सारे काम होते हैं, मगर जनता से यह हक छीन लिया गया है कि वह पलट कर इन पैसों का हिसाब मांग सके या कम से कम खराब काम होने की शिकायत ही कर पाए। दिल्ली में भाजपा सरकार में उपमुख्यमंत्री प्रवेश वर्मा ने घंटिया सड़क निर्माण पर सवाल उठाने वाले एक व्यक्ति को थप्पड़ मारकर यही दिखाया है कि मोदी शासनकाल में भारत में लोकतंत्र नहीं राजशाही और काफी हद तक तानाशाही बनाई जा रही है। पाठक जानते हैं कि रविवार शाम दिल्ली के तिलक नगर इलाके में आम आदमी पार्टी के विधायक जनरैल सिंह लोक निर्माण विभाग के मंत्री और उपमुख्यमंत्री प्रवेश वर्मा को उखड़ी हुई सड़क दिखा रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद एक युवक ने कुछ बयान दिया, जिस पर प्रवेश वर्मा भड़क गए और उन्होंने उस युवक को थप्पड़ ही मार दिया। इस पर आम आदमी पार्टी, कांग्रेस समेत सोशल मीडिया पर बहुत से लोगों ने सवाल उठाए, तो जवाब में प्रवेश वर्मा ने कहा कि उस युवक ने उनके पिता व परिवार के बारे में कोई गलत टिप्पणी की, जिस पर वो आपा खो बैठे। कितनी आसानी से एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि ने नागरिक के साथ हिंसा करने वाले अपराध को न्यायोचित ठहरा दिया। हालांकि जिस तरह चुनाव चोरी करके भाजपा पर कई राज्यों में सरकार बनाने के आरोप लगे हैं, उसके बाद सवाल उठता है कि क्या प्रवेश वर्मा को निर्वाचित जनप्रतिनिधि कहना सही होगा। क्योंकि जिन्हें अपने पद की गंभीरता और जिम्मेदारी का बोध रहता है वे इस तरह गैरजिम्मेदाराना आचरण नहीं करते। लोकतंत्र में तो नेताओं के मन में हमेशा यह भाव रहता है कि जनता को शिकायत का मौका न दिया जाए, क्योंकि चुनाव में वोट मांगने जनता के पास ही जाना होगा। राजनीति में कई बार इस तथ्य को रेखांकित भी किया जाता है कि नेता चुनाव के वक्त तो जनता को माई–बाप बनाते हैं, लेकिन जीतते ही उनकी सुध लेना भूल जाते हैं। उन पर कुर्सी का अहंकार चढ़ जाता है। लेकिन भाजपा तो इस अहंकार से कहीं ज्यादा आगे निकल चुकी है। शायद चुनाव भी उसके लिए औपचारिकता या लोकतंत्र का दिखावा ही है, क्योंकि उसे इस बात का कोई डर नहीं है कि जनता अपने वोटों से कहीं उसके नेताओं को खारिज न कर दे। राहुल गांधी ने अपनी हालिया प्रेस कॉन्फ्रेंस में यही तथ्य तो सबसे पहले उजागर किया था कि भाजपा को एंटी इनकमबेंसी का कोई डर नहीं है, क्योंकि चुनाव आयोग में बैठे लोगों के जरिए उसने पूरी व्यवस्था बना ली है कि जीत उसके खाते में ही जाए। नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ही जब बार–बार कह चुके हैं कि अगले पचास सालों तक हमारी ही सत्ता रहने वाली है तो फिर भाजपा नेता क्यों जन भावनाओं और अपेक्षाओं की कद्र करेंगे। प्रवेश वर्मा जैसे नेताओं को पता है कि वे किसी को थप्पड़ मारे या अपशब्द कहें उनकी सत्ता पर आंच नहीं आने वाली है। कायदे में तो इस मामले में अदालत को स्वतरु सज़ान लेकर प्रवेश वर्मा पर कार्रवाई का आदेश देना चाहिए था। लेकिन अब अदालत में शिखर पर बैठे लोग भी निराश कर रहे हैं। वे संविधान के संरक्षक होने के बावजूद भारत के लोगों का निरंतर अनादर और उनके हकों की लूट देख रहे हैं। मीडिया को भी इस लूट का हिस्सा बना लिया गया है। इसलिए अब खबरें चलाई जा रही हैं कि जिस व्यक्ति को प्रवेश वर्मा ने थप्पड़ मारा, उस पर पहले ही एफआईआर दर्ज हैं, वो आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता है आदि आदि। क्या खुद को पत्रकार कहने वाले लोग यह नहीं जानते कि अगर किसी पर पहले किसी मामले में एफआईआर दर्ज है भी तो उस पर कार्रवाई का अधिकार पुलिस और अदालत का है। कोई आरोपी है तो उसे सवाल पूछने से वंचित नहीं किया जा सकता। अगर वो सवाल पूछे और बदले में थप्पड़ खाए तो यह सरासर नाईसाफी है।

अमरीकी सामाजिक व्यवस्था प्रबंधन व शिकागो से नियाग्रा फॉल्स दर्शन

डी.पी. चंदन

<i>केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना</i>
<i>चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बर्धाई चुनावी बांड रह करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ</i>

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

डॉ.पी.चंदन

असद मिर्जा ट्रंप–शी मुलाकात ने तमाशा और अस्थायी शांति पैदा की, पर इसका गहरा संदेश कठोर था रू वाशिंगटन और बीजिंग व्यापार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ईरान, ताइवान और ऊर्जा में अपनी प्रतिद्वंद्विता सुलझा नहीं रहे, बल्कि केवल संभाल रहे हैं। यही रणनीतिक प्रतिस्पर्धा आज भारत के विकल्पों और अमेरिका की इंडो–पैसिफिक साझेदारी को असमान ढंग से नया रूप दे रही है। क्हाइट हाउस में ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात किसी बड़ी सफलता से कम और एक सहमति–आधारित विराम अधिाक थी। दोनों नेताओं के पास तनाव कम करने के अपने कारण थे रू ट्रंप आर्थिक स्थिरता, आपूर्ति–शृंखला के दबाव से राहत और ईरान पर सहयोग चाहते थे, जबकि शी अपनी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षाओं में समझौता किए बिना बाजारों, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा तक चीन की पहुंच सुरक्षित रखना चाहते थे। सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह नहीं कि प्रतिस्पर्धा समाप्त हो गई, बल्कि यह कि दोनों पक्षों ने अनियंत्रित तनाव की कीमत स्वीकार कर ली है। पहले के टैरिफ युद्ध, निर्यात नियंत्रण, दुर्लभ मृदा प्रतिबंध और जवाबी कार्रवाइयों ने दोनों की परस्पर कमजोरियां उजागर कर दीं। वाशिंगटन उन्नत प्रौद्योगिकी रोक सकता है और डॉलर वित्त तक चीन की पहुंच खतरे में डाल सकता हैय बीजिंग खनिजों की

आपूर्ति बाधित कर वैश्विक विनिर्माण अस्थिर कर सकता है। शिखर सम्मेलन ने इन कमजोरियों को खत्म करने के बजाय सौदेबाजी की ताकत में बदल दिया। व्यापार इस चर्चा का व्यावहारिक केंद्र रहा। ट्रंप की टैरिफ योजनाएं चीन के व्यापार अधिशेष के साथ–साथ रूसी–ईरानी ऊर्जा की चीनी खरीद से भी जुड़ी हैं। एक नए अमेरिकी कानून के तहत राष्ट्रपति को रूसी तेल–गैस के प्रमुख खरीदारों, जिनमें चीन और भारत शामिल हैं, पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिला है। यह वाशिंगटन को बढ़त देता है, पर बीजिंग पर इसे लागू करने से व्यापार युद्ध भड़कने, खनिजों की कमी बढ़ने और नई चीनी निर्यात पाबंदियों का खतरा है। यही बात सम्मेलन की नरमी को समझाती है। ट्रंप कठोर शुल्कों की धमकी दे सकते हैं, पर चीन अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए इतना महत्वपूर्ण है कि उसे सामान्य व्यापारिक प्रतिद्वंद्वी नहीं माना जा सकता। चीन निर्मित वस्तुओं और दुर्लभ मृदा सामग्री का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है, जबकि अमेरिकी कंपनियां चीनी मांग व उत्पादन नेटवर्क पर निर्भर हैं। अस्थायी टैरिफ समझौता व्यावसायिक रूप से उपयोगी हो सकता है, पर बाजार पहुंच, सब्सिडी या प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के मतभेद हल नहीं करेंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस प्रतिस्पर्धा का गहरा पहलू थी। वाशिंगटन और बीजिंग अब

एआई को केवल व्यावसायिक क्षेत्र नहीं मानतेय यह सैन्य कमान, साइबर अभियानों, खुफिया विश्लेषण, स्वायत्त हथियारों और आर्थिक उत्पादकता के केंद्र में है। सम्मेलन के आसपास हुए आयोजनों में प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के अधिका्रियों ने चेतावनी दी कि ईरानी लक्ष्य–निर्धारण और ड्रोन से जुड़ी चीनी सहायता स्वीकार्य नहीं है। ट्रंप की समस्या यह है कि वे टकराव की कीमत चुकाए बिना चीन की मदद चाहते हैं। बीजिंग के तेहरान से संबंध, तेल बाजार में क्रय शक्ति और क्षेत्रीय व्यापार मार्गों पर प्रभाव है। वह संयम को प्रोत्साहित कर सकता है या होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजरानी मार्ग खोलने में मदद कर सकता है। लेकिन चीन के केवल अमेरिकी उप–ठेकेदार बनकर काम करने की संभावना कम है। उसकी प्राथमिकता ऊर्जा आपूर्ति की रक्षा, अमेरिकी प्रभाव सीमित करना और मध्य पूर्व में अपनी स्थिति बनाए रखना है। ऊर्जा का मुद्दा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि युद्ध ने वैश्विक तेल सुरक्षा की मान्यताओं को नुकसान पहुंचाया है।

होर्मुज से घटता आवागमन और ईरानी–रूसी निर्यात पर प्रतिबंधों ने आपूर्ति तंग कर दी है। अगस्त में चीन ने लगभग 18 लाख बैरल प्रतिदिन ईरानी कच्चा तेल आयात किया, जबकि जुलाई तक भारत की रूसी तेल पर निर्भरता आयात के लगभग आधे तक बढ़ गई। इससे भारत के लिए तत्काल जोखिम पैदा होता है।

कोचिंग मुफ्त हो या बंद?

इसकी कोई रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई है। खबरों में इसकी सिफारिशों का जिक्र अवश्य आया है, लेकिन संसद के पटल पर दिसंबर 25 में रखी गई संसदीय समिति की 371वीं रिपोर्ट में स्पष्ट सिफारिश की गई है कि श्यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रश्न–पत्र स्कूल परीक्षाओं के पाठ्यक्रम से मेल खाते हों, ताकि एक समानांतर पाठ्यक्रम और उससे जुड़े कोचिंग सेंटर उद्योग के पनपने से बचा जा सके। असल में कोचिंग को बढ़ावा मिलने का बड़ा कारण यही है – दाखिला परीक्षाओं में प्रश्नों का स्तर स्कूल की किसी भी परीक्षा के स्तर से बहुत ऊपर का होता है। जिन परीक्षाओं में स्तर जटिल नहीं होता, वहां गति महत्वपूर्ण हो जाती है, यानी प्रश्न ज्यादा और समय कम। इन दोनों कारणों से कोचिंग का रुझान दाखिलों और नौकरी के लिए बढ़ता जा रहा है। जटिल प्रश्नों, अपेक्षित न्यूनतम योग्यता से ऊपर के प्रश्नों या कम समय में ज्यादा प्रश्नों की जरूरत क्यों पड़ती है? ताकि लाखों अभ्यर्थियों में से कुछ को चुना जा सके, परन्तु यह अंतर ही मुख्य समस्या है। इस अंतर को खत्म करना होगा। क्यों देश भर से लोग दिल्ली विश्वविद्यालय में ही आयें? क्या हर कालेज उच्च स्तरीय नहीं होना चाहिए? क्या हर डाक्टर और हर इंजीनियर को सक्षम नहीं होना चाहिए? क्या हर पीएचडी को समाज उपयोगी शोध नहीं करना चाहिए? क्या पीएम श्री स्कूलों में जो सुविधाएं हैं (या होनी चाहिए), उनमें ऐसे क्या विशेष उपकरण हैं जो हर स्कूल में नहीं होने चाहिए? जब तक गरिमापूर्ण आजीविका के अवसर और उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थान सीमित रहेंगे, तब तक कोचिंग का बोलबाला रहेगा, स्कूल फर्जी स्कूल बनकर रह जायेंगे और पेपर लीक माफिया सक्रिय रहेगा। क्या इसका अर्थ यह है कि जब तक ये

बुनियादी प्रश्न हल नहीं होते तब तक कुछ नहीं हो सकता? नहीं, तात्कालिक रूप से भी काफी कुछ हो सकता है। सबसे पहले तो संसदीय समिति की सिफारिश के अनुरूप यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी तरह की परीक्षाएं न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के लिए आवश्यक पूर्व परीक्षा पर आधारित हों, यानी नीटएडीई की परीक्षा विषय–वस्तु एवं स्तर, दोनों तरह से 12वीं की परीक्षा के अनुरूप हो। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों में से कुछ को चिह्नित करने के लिए न तो जवाब देने की गति को आधार बनाना चाहिए और न ही जटिलता को। परीक्षक समझ और उस आधार पर अभ्यर्थी को जांचे जो सभी विद्यार्थियों को सहज उपलब्ध हो। ऐसा करना न केवल समता–मूलक है, अपितु बच्चों पर किशोरावस्था में पड़ने वाले अनावश्यक तनाव को भी कम करने के लिए जरूरी है। परीक्षाओं के प्रश्नों के स्वरूप का भी सुधार होना चाहिए। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के मूल्यांकन के लिए मशीनों के प्रयोग को सुलभ बनाने के लिए अधिकांशतः प्रतियोगी परीक्षायें बहुविकल्पीय प्रश्नों तक सीमित हो जाती हैं। पूरी तरह बहुविकल्पीय प्रश्नों पर निर्भर होने के स्थान पर संक्षिप्त उत्तर वाले प्रश्नों और लम्बे प्रश्नों का भी उपयोग किया जाए। क्यों स्वयं गणना करने के स्थान पर उपलब्ध विकल्पों में से ही चुनने को कहा जाए? विद्यार्थी की समझ और उपयोग की जांच हो, न कि याददाश्त और लिखने की गति की। ऐसे प्रश्न होने पर मूल्यांकन मशीन द्वारा नहीं हो पायेगा और व्यक्तियों की जरूरत होगी। ऐसा करने पर दो दिक्कतें हो सकती हैं, परन्तु उनका भी सहज उपाय है। एक समस्या भेदभाव की हो सकती है जिससे बचने के लिए हर उत्तर पुस्तिका को मूल्यांकन के पश्चात सार्वजनिक कर दिया जाए और

ने अपने बच्चों को आधुनिक शिक्षा और अमरीकी जीवन–पद्धति के साथ–साथ भारतीय त्योंहारों, भाषा, भोजन और संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया है। फिर यात्रा नियाग्रा फॉल्स की ओर बढ़ी। नियाग



फिल्म ‘तुम मेरे हो’ का पहला गाना ‘तुम्हें भी हमसे’ अब रिलीज हो चुका है। विशाल मिश्रा की आवाज में सजे इस रोमांटिक गाने में गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय नजर आ रहे हैं। गाना दोनों के किरदारों के बीच पनपती मोहब्बत, चाहत और जज़्बात को खूबसूरती से सामने लाता है। ‘तुम्हें भी हमसे’ में विशाल मिश्रा की सुरीली आवाज और मिथुन का संगीत व बोल गाने को एक भावुक रंग देते हैं। गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय की केमिस्ट्री भी गाने की कहानी को आगे बढ़ाती है और उनके किरदारों के बीच के प्यार को पर्दे पर महसूस कराया गया है। यह गाना गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय की पहली ऑन–स्क्रीन जोड़ी भी है। ‘तुम्हें भी हमसे’ प्यार, इंतजार और दिल टूटने के एहसास से भरी कहानी की एक झलक देता है और बताता है कि फिल्म में रिश्तों और जज्बातों की अहम भूमिका होने वाली है। फिल्म में प्यार और रिश्तों की कहानी को केंद्र में रखा गया है और यह गाना उसी भावनात्मक सफर की एक झलक पेश

‘मक्कल कावलन’ की रिलीज डेट का ऐलान, 4 दिसंबर 2026 को दुनियाभर में रिलीज होगी फिल्म

बिरला स्टूडियोज और नीलम स्टूडियोज की आने वाली एक्शन ड्रामा फिल्म ‘मक्कल कावलन’ 4 दिसंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में के. मणिकंदन लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान मणिकंदन के जन्मदिन के खास मौके पर किया गया।‘बाइसन कालामाडन’ की शानदार थिएट्रिकल सफलता के बाद ‘मक्कल कावलन’ बिरला स्टूडियोज और नीलम स्टूडियोज की साथ में आने वाली अगली फिल्म है। दोनों स्टूडियोज एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं, जिसमें एक्शन के साथ आम इंसान की जिंदगी, उसके संघर्ष और अपने लिए सम्मान के साथ जीने की चाहत को दिखाया गया है। गुड नाइट’, ‘लवर’ और ‘कुडुंबस्थान’ जैसी सफल फिल्मों के बाद ‘मक्कल कावलन’ के. मणिकंदन की अगली फिल्म है। इस फिल्म के साथ वह पहली बार एक्शन ड्रामा में लीड रोल निभाते नजर आएंगे। संतोष कुमार के लेखन और निर्देशन में बनी ‘मक्कल कावलन’ की कहानी एक आम आदमी की है, जो अपनी जिंदगी सम्मान के साथ जीना चाहता है। लेकिन जब उसका सामना एक भ्रष्ट व्यवस्था से होता है, तो

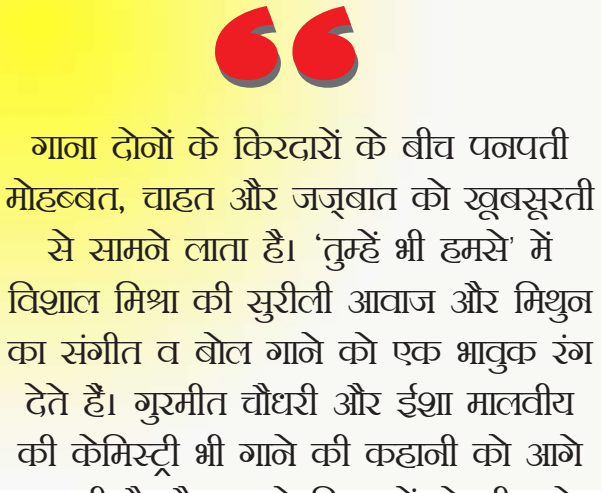


भारतीय कहानी कहने की परंपरा में पौराणिक कथाओं का हमेशा से खास स्थान रहा है। इन कथाओं के किरदार दर्शकों के लिए सिर्फ कहानियों का हिस्सा नहीं, बल्कि संस्कृति और भावनाओं से जुड़े हुए हैं। ऐसे में जब कोई कलाकार राम, रावण, शिव या सती जैसे प्रतिष्ठित किरदारों को पर्दे पर निभाता है, तो उसके सामने अभिनय के साथ–साथ उस किरदार से जुड़ी दर्शकों की अपनी धारणाओं को निभाने की भी चुनौती होती है। बड़े पर्दे की भव्य फिल्मों से लेकर टेलीविजन के लोकप्रिय धारावाहिकों तक, कई



उसके सामने दो रास्ते होते हैं। चुपचाप सब सहना या उसके खिलाफ आवाज उठाना। एक आम आदमी की अपनी जिंदगी बचाने की कोशिश धीरे–धीरे एक बड़ी लड़ाई में बदल जाती है। वह बिना चाहे लोगों की आवाज बन जाता है और फिर उनकी रक्षा के लिए खड़ा होता है। कहानी इसी सफर और उसके संघर्ष को सामने लाती है। फिल्म का एक अहम हिस्सा यह भी है कि इंसान के सपनों की कोई सीमा नहीं होनी चाहिए। हालात कितने भी मुश्किल क्यों न हों, अगर इंसान आगे बढ़ने की कोशिश करता रहे तो वह अपनी मंजिल तक पहुंच सकता है। के. मणिकंदन ने अपने करियर की शुरुआत लेखन, डबिंग और सपोर्टिंग रोल्स से की थी। लगातार मेहनत और अलग–अलग तरह के किरदार निभाते हुए उन्होंने बतौर लीड एक्टर अपनी पहचान बनाई है। ऐसे

विशाल मिश्रा और मिथुन का रोमांटिक गाना ‘तुम्हें भी हमसे’ हुआ रिलीज



एहसास है। गुरमीत के साथ इस गाने की शूटिंग करना मेरे लिए खास अनुभव रहा। विशाल की आवाज गाने के जज्बातों को बहुत खूबसूरती से सामने लाती है। मुझे खुशी है कि अब दर्शक इस गाने को सुन सकेंगे और ‘तुम मेरे हो’ की इस कहानी के एक नए पहलू को महसूस कर सकेंगे।”‘तुम्हें भी हमसे’ अब सारेगामा म्यूजिक पर स्ट्रीम हो रहा है। गाने को विशाल मिश्रा ने गाया है, जबकि इसका संगीत और बोल मिथुन ने तैयार किए हैं। गाने में गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय नजर आ रहे हैं। तुम मेरे हो’ 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



में उनके जन्मदिन पर ‘मक्कल कावलन’ की रिलीज डेट का ऐलान उनके सफर से भी जुड़ा नजर आता है। फिल्म में के. मणिकंदन के साथ वागई चंद्रशेखर, ए वेंकटेश, आर.के. विजयमुर्गन, शनमुगम मुथुसामी, सबुमोन, उन्नी माया, दिव्या श्रीपदा, जेनसन धिवाकर, लल्लू, जेमिनी मणि और रघु नजर आएंगे। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी प्रतीपन सेल्वरत्नम, एडिटिंग अरुल मोसेस और प्रोडक्शन डिजाइन पप्पनाडु सी. यू. उथयकुमार ने किया है। फिल्म के स्टैंट्स डॉन अशोक, साउंड डिजाइन एंथनी जयरुबन, कॉस्ट्यूम डिजाइन सुरेशकुमार और मेकअप रामचंद्रन ने संभाला है। बाइसन कालामाडन’ के बाद एक बार फिर निवार्स के. प्रसन्ना फिल्म के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं। मक्कल कावलन’ 4 दिसंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राम से रावण और शिव से सती तक, पर्दे पर इन कलाकारों ने निभाए प्रतिष्ठित पौराणिक किरदार

भारतीय दर्शक पीढ़ियों से अलग–अलग रूपों में देखते आए हैं। फिल्म से सामने आई झलकियों के बाद रणबीर के राम वाले लुक को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। ‘रामायण’ में रणबीर कपूर के भगवान राम के सामने यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचाने जाने वाले यश के लिए रावण का किरदार भी एक चुनौतीपूर्ण भूमिका है। अभिनेता ने इस किरदार को समझने के लिए अपनी पहले से बनी धारणाओं को अलग रखकर रावण के व्यक्तित्व और सोच को समझने की कोशिश करने की बात कही है। फिल्म में राम और रावण के बीच टकराव कहानी का अहम हिस्सा होगा और इसका विस्तृत रूप दूसरे भाग में देखने को मिलेगा। रजनीश दुग्गल भी हाल ही में फिल्म ‘महाकाव्य श्री रामायण कथा’ में रावण के किरदार में नजर आए। फिल्म के जरिए उन्होंने इस प्रतिष्ठित पौराणिक किरदार की अपनी व्याख्या पेश की। बड़ी स्टार कास्ट वाली इस फिल्म में रावण कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा है और दुग्गल के लुक व स्क्रीन प्रेजेंस ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। फिल्म में रामायण की कथा को एक आधुनिक सिनेमाई प्रस्तुति के जरिए पेश करने की कोशिश की गई है।

अक्षय कुमार बतौर भगवान शिव के दूत – ‘ओएमजी 2’ अक्षय कुमार ने ‘ओएमजी 2’ में पौराणिकता को आधुनिक सामाजिक कहानी के साथ जोड़ा। फिल्म में उन्होंने भगवान शिव के दूत की भूमिका निभाई, जो कहानी में एक आध्



17 साल बाद फिर साय आएं विद्या बालन और आर बाल्की

‘पा’ के बाद नई तमिल फिल्म की शूटिंग शुरू, सेट से पहली फोटो वायरल

एक्ट्रेस विद्या बालन फिल्ममेकर आर बाल्की के साथ एक नई तमिल फिल्म के लिए फिर से काम कर रही हैं। इससे पहले उन्होंने श्पाश फिल्म में साथ काम किया था, जो लगभग 17 साल पहले आई थी। शराजा शिवाजीर की एक्ट्रेस ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर सेट की एक झलक शेयर करके अपने फैंस को यह खबर दी। बता दें कि बिना नाम वाली इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। हालांकि, मेकर्स ने कहानी या विद्या के किरदार के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी है। विद्या ने अपने इंस्टाग्राम पर सेट से एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह हाथ में स्क्रिप्ट लिए, चश्मा पहने और लंबी चोटी बनाए हुए दिख रही थीं। कैप्शन में उन्होंने लिखा, नई शुरुआत **#NewTamilFilm** **#RBalki** के साथध।

जानकारी के लिए बता दें कि नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस विद्या बालन और आर बाल्की ने पहले 2009 में आई फिल्म श्पाश में साथ काम किया था, जिसमें अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में थे। उनका आने वाला तमिल प्रोजेक्ट लगभग 17 साल बाद उनका रीयूनियन है और उस फिल्म के बाद यह उनका पहला साथ काम है। इसमें अभिषेक बच्चन और परेश रावल भी अहम भूमिकाओं में हैं।

आर बाल्की एक जाने–माने फिल्ममेकर और राइटर हैं, जो धूमरश, स्पैडमैनश, श्चुपश, श्की एंड काश और श्मिशन मंगलश जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए जाने जाते हैं। उनकी 2009 की फिल्म श्पाश ने हिंदी में बेस्ट फीचर फिल्म का नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी जीता था।

विद्या बालन का वर्क फ्रंट

काम की बात करें तो, विद्या बालन आखिरी बार रितेश देशमुख की ऐतिहासिक पीरियड ड्रामा शराजा शिवाजीश में दिखी थीं, जिसमें उन्होंने बड़ी बेगम का किरदार निभाया था। वह अगली बार रजनीकांत के बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट श्जेलर 2श में नजर आएंगी। यह फिल्म 15 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के प्रोडक्शन बैनर सन पिक्चर्स ने रविवार को विद्या बालन के किरदार श्कांताश का पहला लुक जारी किया। इस घोषणा के साथ ही, उन्होंने इस किरदार को धैर्य और दृढ़ता की मिसाल बताया और उसका नाम भी बताया। ‘जेलर 2’ को नेल्सन दिलीपकुमार ने लिखा और डायरेक्ट किया है। इसमें शिवा राजकुमार, विजय सेतुपति, मिथुन चक्रवर्ती, एसजे सूर्या, राम्या कृष्णन और योगी बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं।

राम से रावण और शिव से सती तक, पर्दे पर इन कलाकारों ने निभाए प्रतिष्ठित पौराणिक किरदार

यात्मिक शक्ति के रूप में नजर आता है। अक्षय के किरदार में हास्य, सहजता और गर्मजोशी के साथ दिव्य व्यक्तित्व को जोड़ा गया। फिल्म ने पौराणिक संदर्भों को आज के सामाजिक परिवेश में रखते हुए एक अलग तरह की कहानी पेश की।

मोहित रैना बतौर महादेव – ‘देवों के देव...महादेव’ टेलीविजन पर भगवान शिव के किरदार की बात हो तो मोहित रैना का नाम प्रमुख रूप से लिया जाता है। ‘देवों के देव...महादेव’ में उन्होंने 2011 से 2014 तक भगवान शिव की भूमिका निभाई। धारावाहिक में शिव के अलग–अलग रूपों और उनके जीवन से जुड़े कई प्रसंगों को दिखाया गया। मोहित रैना ने इस किरदार में गंभीरता, शक्ति और भावनात्मक गहराई को साथ लेकर चलने की कोशिश की। शो खत्म होने के वर्षों बाद भी उनका महादेव वाला किरदार टेलीविजन दर्शकों के बीच याद किया जाता है।

मौनी रॉय बतौर सती–‘देवों के देव...महादेव’ मौनी रॉय ने ‘देवों के देव...महादेव’ में देवी सती का किरदार निभाकर टेलीविजन पर अपनी अलग पहचान बनाई थी। शो में सती की कहानी महादेव के साथ उनके रिश्ते, उनकी भक्ति और शिव–शक्ति की व्यापक कथा का अहम हिस्सा रही। मौनी ने किरदार में संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई को सामने रखा। मोहित रैना के साथ उनकी जोड़ी भी शो के चर्चित हिस्सों में शामिल रही और सती के किरदार ने मौनी को दर्शकों के बीच मजबूत पहचान दिलाई।



हड्डियों के लिए खतरनाक है आपके घर का वायरूम, संभलकर रखें यहां एक- एक कदम

बाथरूम एक सुविधाजनक और साफ—सुथरा आधुनिक आविष्कार है, लेकिन ये आपकी हड्डियों के लिए खतरनाक हो सकते हैं। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) की एक स्टडी के अनुसार, 15 साल से ज्यादा उम्र के लगभग 234,000 लोगों का बाथरूम में लगी चोटों के लिए इलाज किया गया और इनमें से 5 में से 4 चोटें सीधे तौर पर गिरने की वजह से लगी थीं। इसके अलावा, स्टडी में शामिल 65 साल और उससे ज्यादा उम्र के एक—तिहाई लोगों को बाथरूम में गिरने की वजह से फ्रैक्चर हुआ।

बाथरूम हादसों से बचने के तरीके सीडीसी की रिपोर्ट बताती है कि कुल मिलाकर, उम्र बढ़ने के साथ बाथरूम में गिरने से चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। लेकिन जाहिर है, आप बाथरूम का इस्तेमाल करना तो बंद नहीं कर सकते। इसलिए हम आपको बाथरूम में खतरनाक तरीके से गिरने से होने वाले फ्रैक्चर से बचने के तरीके बताने जा रहे हैं। जैसे कि बाथरूम में रखे छोटे गलीचे (जीतवू तनहे) देखने में अच्छे लग सकते हैं, लेकिन ये खतरनाक भी हो सकते हैं। इन पर पैर रखते ही ये फिसल सकते हैं या अपनी जगह से हट सकते हैं। बाथरूम में फर्श पर तौलिये को बाथमैट की तरह इस्तेमाल करना भी उतना ही खतरनाक हो सकता है। इसकी जगह, रबर वाले नॉन—स्लिप बाथमैट का इस्तेमाल करें और पक्का करें कि बाथरूम का फर्श साफ—सुथरा हो। अगर आपके शॉवर या बाथटब का फर्श फिसलने वाला है, तो वहां नॉन—स्लिप रबर मैट बिछाएं।

एक्सरसाइज से अपना बैलेंस बेहतर करें आप कहीं भी हों, फ्रैक्चर से बचने के लिए बैलेंस बेहतर करना बहुत जरूरी है, लेकिन बाथरूम में तो यह और भी जरूरी हो जाता है। फ्लेमिंगो® मूव जैसी एक्सरसाइज को ब्रश करते समय बाथरूम में किया जा सकता है, और यह बैलेंस बेहतर करने के लिए बहुत अच्छी है। संतुलन बनाए रखने की आपकी क्षमता में आपकी नजर एक अहम भूमिका निभाती हैय आपकी आँखों की रोशनी आपके कान के अंदरूनी हिस्से के साथ मिलकर आपके जोड़ों और मांसपेशियों को संकेत भेजती है। इसलिए, साल में कम से कम एक बार अपनी आंखों की जांच जरूर करवाएं और अगर आपका प्रिस्क्रिप्शन बदलता है, तो अपने चश्मे को भी अपडेट करवाएं।

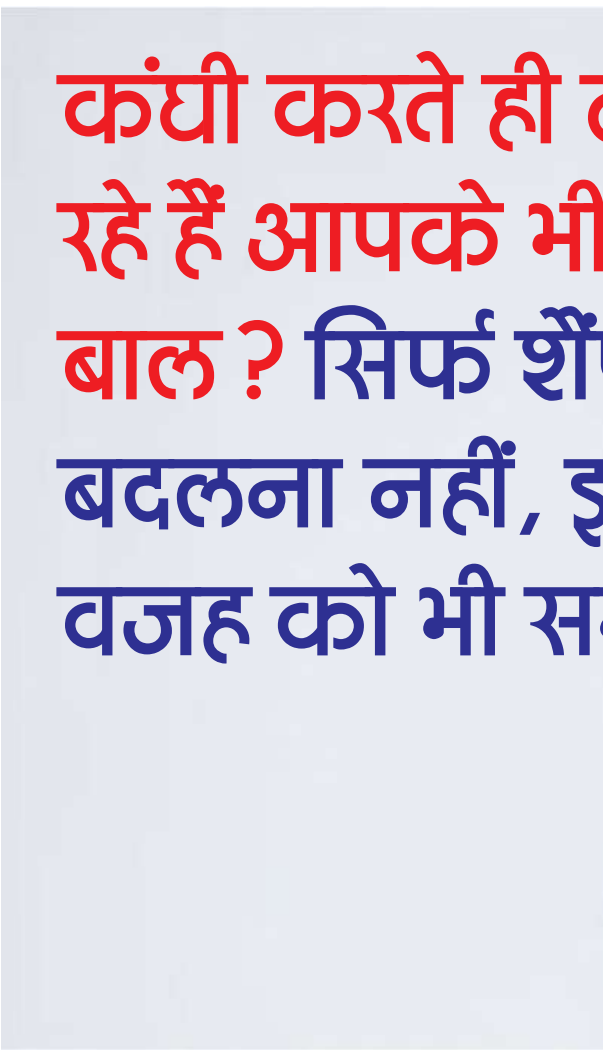
टॉयलेट के पास रेलिंग लगाएं गिरने से बचने के लिए अच्छे बैलेंस की अहमियत को जितना भी कहा जाए, कम है। किसी मजबूत चीज को पकड़ पाने से गिरने और सीधे खड़े रहने के बीच का फर्क पैदा हो सकता है। बाथटब में और जरूरत पड़ने पर टॉयलेट के पास भी रेलिंग लगवाएं, क्योंकि ज्यादातर लोग इन्हीं दो जगहों पर गिरते हैं। सिर्फ मोजे पहनकर बाथरूम के सख्त और चिकने फर्श पर चलने से फिसलने का खतरा हो सकता है। चिकने सोल वाली चप्पलें भी ऐसा ही खतरा पैदा करती हैं। अगर हो सके तो नंगे पैर चलें, या ऐसी चप्पलें या जूते पहनें जिनके सोल रबर के हों। पक्का करें कि आपके जूतों की हील कम हो।

जल्दबाजी ना करें चाहे आप टॉयलेट से उठ रहे हों, टब या शॉवर से बाहर निकल रहे हों, या बस बाल ठीक करने के लिए बाथरूम में जा रहे हों, धीरे—धीरे चलें। जल्दबाजी में अंदर—बाहर करने से गिरने का खतरा हो सकता है। अगर आप जल्दी में हैं, तो बस याद रखें धीरे—धीरे चलने में कुछ अतिरिक्त मिनट लगाने की तुलना में, गिरने और हड्डी टूटने से कहीं ज्यादा देर हो सकती है। चिकने फर्श और दूसरी सतहें गीली होने पर ज्यादा फिसलने वाली हो जाती हैं। काउंटरटॉप, बाथटब के किनारे और सिंक को सुखाने के लिए सूखे कपड़े, स्पंज और तौलिए पास रखें। अगर फर्श पोंछने के लिए झुकने में आपको परेशानी होती है, तो एक सूखा मॉप पास रखें और पानी सोखने के लिए उसका इस्तेमाल करें।



कभी मुंह के कैंसर को 40 से 50 साल की उम्र के बाद होने वाली बीमारी माना जाता था, लेकिन अब कम उम्र के मरीज भी डॉक्टरों तक पहुंच रहे हैं। कानपुर के जेके कैंसर इंस्टीट्यूट में 20 से 30 साल की उम्र के मरीज भी मुंह के कैंसर की जांच और इलाज के लिए आ रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, गुटखा, सुपारी और तंबाकू का लंबे समय तक इस्तेमाल मुंह की अंदरूनी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है।

20 से 35 साल के मरीज भी पहुंच रहे अस्पताल पहले मुंह के कैंसर के लिए आमतौर पर 40 से 60 साल की उम्र के मरीज ज्यादा आते थे। अब 20 से 35 साल की उम्र के मरीज भी देखने को मिल रहे हैं। उनका कहना है कि गुटखा, सुपारी और पान मसाला जैसी चीजों को घंटों मुंह में दबाकर रखने से मुंह की अंदरूनी त्वचा पर लगातार



क्या आपको लग रहा है कि पिछले कुछ दिनों या हफ्तों से पहले के मुकाबले ज्यादा बाल टूट रहे हैं? कंधी करते समय बालों का गुच्छा निकलना, तकिए पर ज्यादा बाल दिखना या नहाते समय हाथ में काफ़ी बाल आना ऐसी चीज़ें हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अक्सर हेयर फॉल बढ़ते ही लोग शैंपू, तेल या हेयर सीरम बदलने लगते हैं। लेकिन हर बार बाल झड़ने की वजह कोई हेयर प्रोडक्ट नहीं होता। कई बार इसके पीछे शरीर में पोषक तत्वों की कमी, तनाव, हार्मोनल बदलाव या कोई स्वास्थ्य समस्या भी हो सकती है।

बालों को मजबूत रखने के लिए किन पोषक तत्वों की जरूरत होती है?

बालों की ग्रोथ और मजबूती के लिए शरीर को पर्याप्त प्रोटीन, आयरन और कई जरूरी विटामिन व पोषक तत्वों की जरूरत होती है। अगर लंबे समय तक डाइट में इनकी कमी बनी रहे, तो बाल कमजोर होकर ज्यादा टूट सकते हैं। खासकर आयरन की कमी को बाल झड़ने की एक वजह माना जाता है। महिलाओं में पीरियड्स के दौरान ज्यादा ब्लीडिंग होने पर शरीर में आयरन की कमी का खतरा बढ़ सकता है। कुछ लोगों में विटामिन डी और विटामिन बी12 की कमी भी बालों से जुड़ी परेशानियों के साथ देखी जा सकती है। इसलिए सिर्फ ऊपर से बालों की देखभाल करने के बजाय अपनी डाइट पर भी ध्यान देना जरूरी है।

थायरॉइड भी हो सकता है वजह अगर बाल अचानक सामान्य से ज्यादा झड़ने लगे हैं, तो इसके पीछे थायरॉइड से जुड़ी समस्या भी एक कारण हो सकती है। थायरॉइड हार्मोन शरीर के कई जरूरी कामों को प्रभावित करते हैं और इनमें गड़बड़ी होने पर बालों की ग्रोथ पर भी असर पड़ सकता है। अगर हेयर फॉल के साथ

गुटखा खाने वालों सावधान! इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज,बढ़ रहा मुंह के कैंसर का खतरा

असर पड़ सकता है।

छोटे छाले को भी न करें नजरअंदाज मुंह में छाला या घाव होना आम बात है और हर छाला कैंसर नहीं होता। लेकिन अगर कोई घाव लंबे समय तक ठीक नहीं हो रहा है, तो उसे नजरअंदाज करना सही नहीं है। डॉ. के मुताबिक, अगर मुंह का छाला या घाव करीब 15 दिन तक बना रहे, तो डॉक्टर से जांच करानी चाहिए। समय पर जांच कराने से बीमारी का कारण पता चल सकता है और अगर कोई गंभीर समस्या है तो उसका इलाज भी जल्द शुरू किया जा सकता है।

गुटखा और तंबाकू से मुंह की अंदरूनी त्वचा पर असर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला के मुताबिक, गुटखा, खैनी और सुपारी जैसे तंबाकू उत्पाद मुंह के कैंसर के प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल हैं। लंबे समय तक इनका सेवन करने से मुंह की अंदरूनी त्वचा में बदलाव हो सकते हैं। लगातार तंबाकू या सुपारी का इस्तेमाल करने वालों में मुंह के अंदर सफेद या लाल धब्बे, जलन और मुंह खोलने में परेशानी जैसी समस्याएं दिखाई दे सकती हैं। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज की वेबसाइट पर भी डॉ. संजय काला को प्राचार्य एवं डीन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

मुंह में ये बदलाव दिखें तो हो जाएं सतर्क अगर मुंह में इनमें से कोई समस्या लंबे समय तक बनी रहती है, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है

मुंह का छाला या घाव 15 दिन से ज्यादा समय तक ठीक न होना

जीभ या गाल के अंदर लाल या सफेद पैच दिखाई देना

मुंह खोलने में परेशानी होना

घाव से खून आना

लगातार दर्द या जलन रहना

जीभ या गाल में लंबे समय तक कोई असामान्य बदलाव

महसूस होना इनमें से किसी एक लक्षण का होना अपने आप में कैंसर की पुष्टि नहीं करता, लेकिन लगातार बने



लगातार थकान, वजन का अचानक बढ़ना या कम होना, सामान्य से ज्यादा ठंड या गर्मी लगना जैसी परेशानियां भी महसूस हो रही हैं, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है। महिलाओं में हार्मोनल बदलाव का असर

महिलाओं में होने वाले कई हार्मोनल बदलाव भी कुछ समय के लिए बालों के झड़ने की वजह बन सकते हैं। पीरियड्स में बदलाव, गर्भावस्था और डिलीवरी के बाद शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव के दौरान कुछ महिलाओं को सामान्य से ज्यादा हेयर फॉल दिखाई दे सकता है। इसके अलावा पीसीओएस जैसी हार्मोन से जुड़ी स्थिति में भी कुछ महिलाओं के बाल पतले होने या सिर के कुछ हिस्सों में बाल कम होने की शिकायत हो सकती है।

तनाव के बाद भी बढ़ सकता है हेयर फॉल आजकल लगातार तनाव और नींद की कमी भी बालों की सेहत को प्रभावित कर सकती है। बहुत ज्यादा मानसिक तनाव, काम का दबाव, तेज बुखार या किसी बड़ी बीमारी के बाद कुछ समय के लिए बाल ज्यादा झड़ सकते हैं। खास बात यह है कि इसका असर हमेशा तुरंत नजर नहीं आता। कई बार तनाव या बीमारी के कुछ हफ्तों या महीनों बाद हेयर फॉल बढ़ता हुआ दिखाई देता है। इसलिए अगर अचानक बाल ज्यादा झड़ने लगे हैं, तो पिछले कुछ महीनों में हुई बीमारी, तेज बुखार, तनाव या वजन में अचानक बदलाव को भी ध्यान में रखना चाहिए।

बहुत ज्यादा डाइटिंग भी पड़ सकती है भारी अगर आप तेजी से वजन कम करने के लिए बहुत कम खाना शुरू कर देते हैं, तो इसका असर बालों पर भी पड़ सकता है। शरीर को पर्याप्त कैलोरी, प्रोटीन और पोषक तत्व न मिलने पर बालों की सामान्य ग्रोथ प्रभावित हो

रहने वाले बदलावों की जांच जरूरी है।

कानपुर में अलग—अलग पाउच में बिक रहा तंबाकू खबर के मुताबिक, कानपुर के पनकी, सचेंडी और आसपास के ग्रामीण इलाकों में पान मसाला और तंबाकू अलग—अलग पाउच में बिकते दिखाई देते हैं। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि ग्राहक इन उत्पादों की मांग करते हैं और थोक विक्रेताओं से भी इन्हें उपलब्ध कराया जाता है। पनकी—जवाहरपुरम के दुकानदार आशीष विश्वकर्मा ने बताया कि थोक विक्रेता से मिलने वाले माल में तंबाकू वाले उत्पाद भी शामिल होते हैं और ग्राहक मांग करने पर उन्हें दे दिए जाते हैं। वहीं गड़रियन पुरवा के दुकानदार रमेश ने कहा कि छोटे दुकानदारों के लिए पान मसाला बेचना उनकी रोजी—रोटी से जुड़ा हुआ है।

छह महीने में 50 जगहों से लिए गए सैंपल सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय संजय प्रताप सिंह के मुताबिक, खाद्य विभाग समय—समय पर पान मसाला के नमूने लेता है। उनके अनुसार पिछले छह महीनों में शहर के करीब 50 स्थानों से सैंपल लिए गए हैं। इस बीच जेके कैंसर इंस्टीट्यूट में कैंसर के मरीजों के लिए रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

बचाव का सबसे जरूरी कदम क्या है? मुंह के कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए तंबाकू, गुटखा और सुपारी जैसे उत्पादों से दूरी बनाना सबसे अहम कदमों में से एक है। अगर मुंह में कोई ऐसा घाव या बदलाव दिखाई दे जो लगातार बना हुआ है, तो घरेलू उपायों के भरोसे लंबे समय तक इंतजार करने के बजाय दंत चिकित्सक, ईएनटी विशेषज्ञ या कैंसर विशेषज्ञ से जांच करानी चाहिए। खासकर युवाओं में तंबाकू और गुटखे की आदत को सामान्य मानना ठीक नहीं है। समय रहते इस आदत को छोड़ना और मुंह में होने वाले लगातार बदलावों पर ध्यान देना भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है।



सकती है। वजन कम करने के दौरान भी संतुलित डाइट लेना जरूरी है। खाने में दाल, चना, राजमा, पनीर, अंडा, दूध 1—दही, सोया और अपनी पसंद के दूसरे प्रोटीन स्रोत शामिल किए जा सकते हैं।

बालों की देखभाल में इन बातों का रखें ध्यान बाल झड़ने के पीछे सिर्फ शरीर के अंदर की वजहें ही नहीं होतीं। गलत तरीके से बालों की देखभाल करने पर भी बाल कमजोर होकर टूट सकते हैं। बार—बार हीट स्टाइलिंग करने से बचें। जरूरत से ज्यादा हेयर कलर या केमिकल ट्रीटमेंट न कराएं। बालों को बहुत कसकर बांधने से बचें। गीले बालों में जोर से कंधी न करें।बालों के लिए बहुत ज्यादा प्रोडक्ट इस्तेमाल करने के बजाय जरूरत के हिसाब से ही चीजें चुनें।हालांकि, अगर बाल जड़ों से ज्यादा झड़ रहे हैं, तो केवल शैंपू या तेल बदलने से समस्या का कारण पता नहीं चलेगा।

कब डॉक्टर को दिखाना चाहिए? अगर कुछ दिनों से ज्यादा समय तक हेयर फॉल लगातार बढ़ रहा है, सिर के किसी हिस्से में बाल कम दिखाई देने लगे हैं, बाल तेजी से पतले हो रहे हैं या अचानक गुच्छों में बाल निकल रहे हैं, तो इसे नजरअंदाज न करें। ऐसे मामलों में त्वचा रोग विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर रहता है। डॉक्टर जरूरत के हिसाब से आपकी डाइट, लक्षणों और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के आधार पर जांच की सलाह दे सकते हैं। बिना जांच के आयरन, विटामिन या किसी अन्य सप्लीमेंट की गोलियां खुद से शुरू करना सही नहीं है।

डिस्क्लेमर: बाल झड़ने के कई कारण हो सकते हैं और हर व्यक्ति में इसकी वजह अलग हो सकती है। लगातार या अचानक बढ़े हुए हेयर फॉल की सही वजह जानने के लिए डॉक्टर या त्वचा रोग विशेषज्ञ से सलाह लें।

संक्षिप्त



पीयूष गोयल ने यूएस कंपनियों को दिया भारत में Investment और MSME पार्टनरशिप का न्योता

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी विनिर्माताओं से भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाने और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए उन्नत विनिर्माण क्षेत्र में सह–निवेश के अवसर तलाशने का आग्रह किया। गोयल ने मंगलवार शाम विस्कॉन्सिन के मिल्वॉकी में जी20 व्यापार मंत्रिस्तरीय बैठक से इतर ‘नेशनल एसोसिएशन ऑफ मैनुफैक्चरर्स’ (एनएएम) द्वारा आयोजित एक कारोबारी गोलमेज बैठक को संबोधित किया। गोयल मंगलवार को अमेरिका के शिकागो पहुंचे थे। मिल्वॉकी, अमेरिका का एक प्रमुख औद्योगिक और विनिर्माण केंद्र है। यहां खाद्य एवं पेय, मशीनरी विनिर्माण, ऊर्जा तथा जल प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों की कई बड़ी कंपनियों के मुख्यालय हैं। गोयल ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर लिखा कि एनएएम की बैठक में उन्होंने भारत–अमेरिका आर्थिक संबंधों में मजबूत गति के साथ भारत के बढ़ते औद्योगिक आधार और कुशल कार्यबल को रेखांकित किया। मंत्री ने कहा, “अमेरिकी विनिर्माताओं को भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाने, भारतीय एमएसएमई के साथ साझेदारी करने और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए उन्नत विनिर्माण में सह–निवेश के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया। इससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए मूल्यवर्धन होगा।” अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कारोबारी गोलमेज बैठक और एनएएम द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में जी20 व्यापार मंत्रियों के साथ हिस्सा लिया। जी20 मंत्रिस्तरीय बैठक में व्यापार से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा होगी। इनमें वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बंधुआ मजदूरी को खत्म करने से लेकर संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता और अतिरिक्त उत्पादन से निपटना शामिल है। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय द्वारा आईईईपीए के तहत लगाए गए शुल्कों को रद्द किए जाने के बाद अमेरिका इन दो शुल्क संबंधी उपायों का इस्तेमाल कर रहा है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) के पिछले सप्ताह जारी बयान के अनुसार, ग्रीर जी20 की चर्चाओं का नेतृत्व करेंगे। इनमें वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बंधुआ मजदूरी को खत्म करना, सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र (एमएफएन) सिद्धांत को अद्यतन करना, खाद्य पदार्थों के व्यापार को हथियार बनाने की निंदा करना तथा संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता और उत्पादन से निपटना शामिल है।

एफएसएसएआई ने सेवन सीज हॉस्पिटैलिटी का लाइसेंस किया निलंबित, गंदगी मिलने पर सख्त एक्शन

खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने खराब स्वच्छता और साफ–सफाई के अलावा अन्य कानूनों के उल्लंघन के कारण सेवन सीज हॉस्पिटैलिटी का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बुधवार को सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि खाद्य परिसर के निरीक्षण के दौरान “अनुपालन संबंधी गंभीर कमियां” पाए जाने के बाद उसने सेवन सीज हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। नियामक ने बताया कि कंपनी का “अनुपालन ‘स्कोर’ केवल 30 प्रतिशत” रहा। एफएसएसएआई ने कहा कि खाद्य तैयार करने वाले क्षेत्रों में पानी जमा होने, दुर्गंध, गंदगी और अपर्याप्त साफ–सफाई समेत स्वच्छता संबंधी खराब स्थिति पाई गई। निरीक्षण के दौरान “खराब हो चुकी खाद्य सामग्री” मिली जिसमें टमाटर, पपीता, गुड़ और काजू में फफूंद लगी हुई थी। सड़ी हुई शिमला मिर्च और खराब हो चुका खाना पकाने का तेल भी मिला। नियामक ने बताया कि खाद्य सामग्री के भंडारण में भी गंभीर कमियां थीं, जिनमें शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थों को अलग–अलग रखने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होना शामिल है। कीट नियंत्रण व्यवस्था में भी कमियां पाई गईं। परिसर में कॉकरोच और मक्खियां मौजूद थीं। एफएसएसएआई ने कहा कि बुनियादी ढांचे की आवश्यक सुविधाओं का भी अभाव था। स्वच्छता, रिकॉर्ड के रखरखाव और पानी की जांच में भी नियमों का पालन नहीं किया गया। एफएसएसएआई के अधिकारियों ने नियमों के अनुरूप नहीं पाए गए “74 किलोग्राम/लीटर” खाद्य पदार्थ नष्ट कर दिए। खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को देखते हुए एफएसएसएआई ने सेवन सीज हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कंपनी को लाइसेंस निलंबन की अवधि के दौरान खाद्य कारोबार से जुड़ी सभी गतिविधियां बंद करने का निर्देश दिया गया है।

कर्नाटक में MSP पर खरीदे जाएंगे 1.67 लाख टन से अधिक तिलहन और दालें, केंद्र ने दी मंजूरी

बेंगलुरु। केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने बुधवार को बताया कि केंद्र ने 2026–27 के खरीफ सत्र के लिए कर्नाटक में मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत 13413 टन सूरजमुखी, 38250 टन मूंग और 1,15,500 टन सोयाबीन की खरीद को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि इन मंजूरियों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद के जरिये किसानों को सहायता मिलेगी। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार भी जताया। कुमारस्वामी ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर लिखा, “इन मंजूरियों से एमएसपी पर खरीद के जरिये किसानों को महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।” कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने 29 सितंबर को तीन अलग–अलग पत्रों के जरिये कर्नाटक में इन तीन फसलों की मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत खरीद को मंजूरी दी। ये मंजूरियां कर्नाटक सरकार के अनुरोध के बाद दी गईं। पत्रों में सूरजमुखी और मूंग के लिए 11 अगस्त तथा सोयाबीन के लिए 17 अगस्त को राज्य सरकार की ओर से भेजे गए पत्रों का उल्लेख किया गया है। खरीद की अवधि शुरू होने की तारीख से 90 दिन होगी। इसकी शुरुआत की तारीख राज्य सरकार तय करेगी। केंद्रीय नोडल एजेंसियों को खरीद शुरू होने की तारीख के बारे में केंद्र को सूचित करने को कहा गया है। एजेंसियों को खरीद शुरू करने से पहले वैज्ञानिक भंडारण के लिए उपलब्ध जगह की पुष्टि करने और केवल उतनी ही मात्रा में खरीद करने का निर्देश दिया गया है, जितनी के लिए भंडारण की पुष्टि हो चुकी हो।

खेल

भारत अंडर–19 से हारा ऑस्ट्रेलिया: लक्ष्य का दोहरा शतक और यशवर्धन की घातक गेंदबाजी, पारी और 48 रन से मिली जीत

राजकोट। भारत अंडर–19 ने पहले यूथ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया अंडर–19 को पारी और 48 रन से करारी शिकस्त दी। राजकोट में खेले गए मुकाबले में यशवर्धन चौहान ने छह विकेट और ईशान ओम ने चार विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। इससे पहले लक्ष्य रायचंदानी की 240 रन की शानदार पारी ने भारत की जीत की नींव रख दी थी। इस जीत के साथ भारत ने दो मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज में 1–0 की बढ़त बना ली है। इससे पहले भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को यूथ वनडे सीरीज में 3–0 से हराया था।

पहली पारी में भारत ने बनाया विशाल स्कोर भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए लक्ष्य रायचंदानी के दोहरे शतक की बदौलत 494 रन बनाए। रायचंदानी ने 281 गेंदों पर 240 रन की मैराथन पारी खेली, जिसमें 24 चौके और चार छक्के शामिल रहे। उनके अलावा यशवर्धन चौहान ने 54 और मोहित उलवा ने 92 रन की अहम पारियां खेलीं। चौहान ने रायचंदानी के साथ 124 रन की साझेदारी की, जबकि उलवा ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर आक्रामक अंदाज में प्रहार करते हुए 84 गेंदों पर 92 रन बनाए। उनकी पारी में 10 चौके और चार छक्के शामिल रहे। भारत ने पहली पारी में 277 रन की बड़ी बढ़त हासिल की, जिससे ऑस्ट्रेलिया पर दबाव काफी बढ़ गया।

चौहान और ईशान के सामने ऑस्ट्रेलिया ने टेकें घुटने

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 217 रन पर सिमट गई। यशवर्धन चौहान ने 6 विकेट लेकर भारतीय गेंदबाजी की अगुआई की। उन्होंने ब्लेक कैटल को भी आउट किया, जिन्होंने 123 रन की शानदार पारी खेली। कैटल ने 114 गेंदों पर शतक पूरा किया और अपनी पारी में 16 चौके और चार छक्के लगाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं



मिला। ऑस्ट्रेलिया के सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। बाएं हाथ के स्पिनर ईशान ओम ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटकते और ऑस्ट्रेलिया के विशेषज्ञ बल्लेबाजों को परेशान किया। दूसरी पारी में भी नहीं बदली तस्वीर ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 229 रन बनाए और पूरी टीम 59.4 ओवर में ऑलआउट हो गई। यहां भी चौहान ने 6/75 और ईशान ओम ने 4/62 के आंकड़े के साथ ऑस्ट्रेलियाई

बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ब्लेक कैटल ने एक बार फिर संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके। इस तरह भारत ने मुकाबला पारी और 48 रन से अपने नाम कर लिया। पांच अक्तूबर से दूसरा यूथ टेस्ट दोनों टीमों के बीच दूसरा और आखिरी यूथ टेस्ट भी राजकोट में खेला जाएगा। यह मुकाबला पांच अक्तूबर से आयोजित होगा।

केएल राहुल खेलेंगे 100वां ODI, 10000 इंटरनेशनल रन का मौका

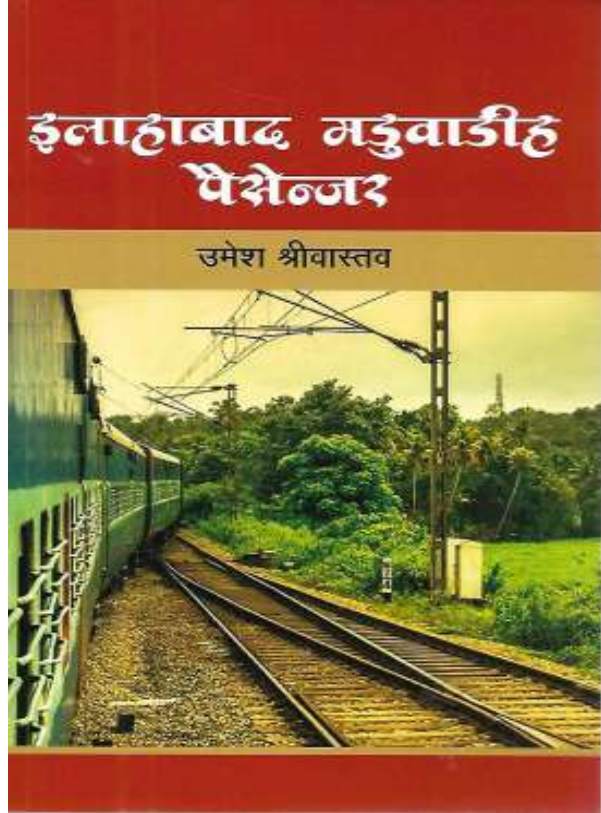
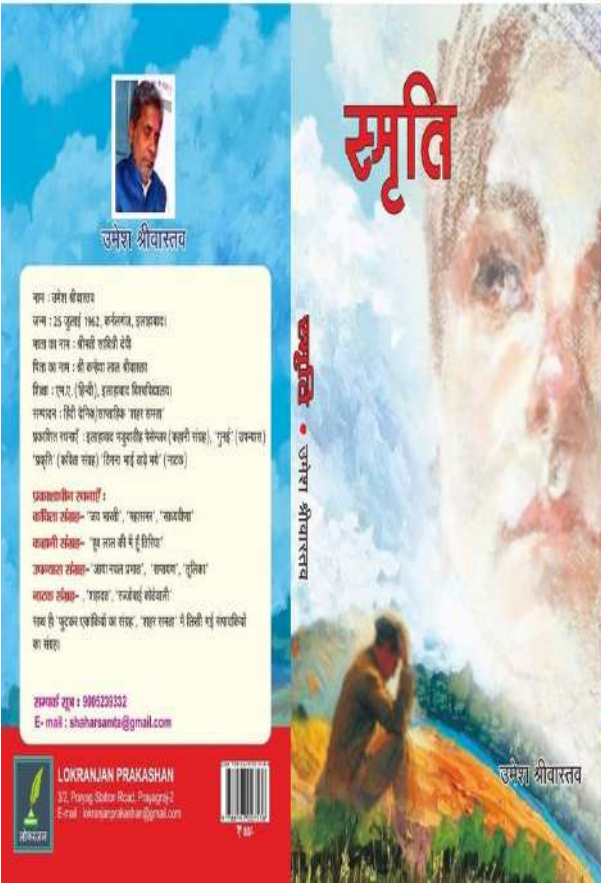
भारतीय विकेटकीपर–बल्लेबाज झरू राहुल वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में अपना 100वां वनडे मैच खेलेंगे। इस मुकाबले में 35 रन बनाते ही वह इंटरनेशनल क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने वाले 15वें भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। राहुल ने अब तक 241 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 22 शतकों की मदद से 9,965 रन बनाए हैं।

भारतीय विकेटकीपर–बल्लेबाज केएल राहुल बुधवार को गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में अपना 100वां वनडे खेलेंगे। इस खास मैच में केएल राहुल — जो भारत के सबसे भरोसेमंद और हरफनमौला वनडे बल्लेबाजों में से एक हैं — अपने 10,000 रन पूरे कर सकते हैं, क्योंकि वह इस आंकड़े से सिर्फ 35 रन दूर हैं। इसके साथ ही, वह इंटरनेशनल क्रिकेट में 10,000 रन बनाने वाले

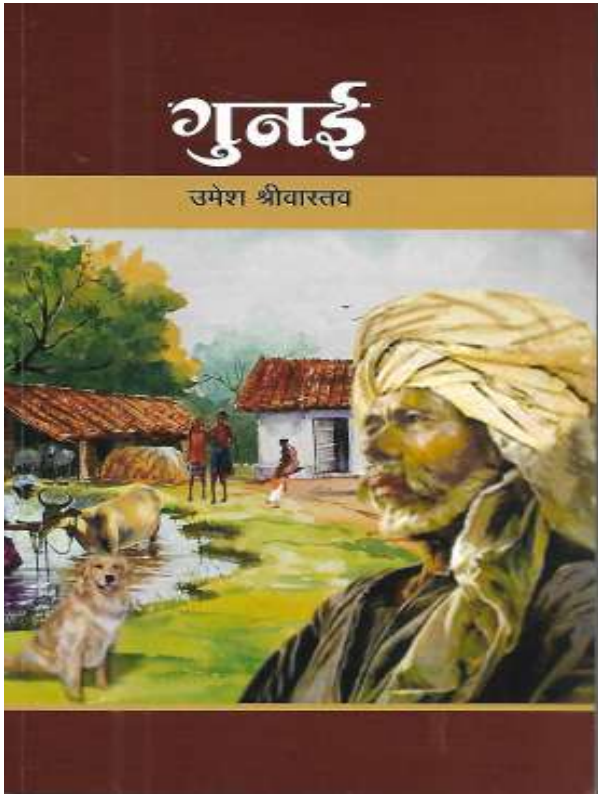
15वें भारतीय बल्लेबाज बन सकते हैं। फिलहाल, केएल राहुल ने भारत के लिए 241 मैचों और 280 पारियों में 40.50 की औसत से 9,965 रन बनाए हैं, जिसमें 22 शतक, 63 अर्धशतक और 199 का बेस्ट स्कोर शामिल है। पिछले कुछ सालों में KL, ODI टीम के लिए एक ऑल–राउंडर (यानी हर काम में माहिर खिलाड़ी) बन गए हैं। वे ओपनिंग करने, पारी को संभालने और मिडिल–ऑर्डर में टीम को स्थिरता देने के साथ–साथ छठे नंबर पर आकर तेजी से रन बनाने (फिनिशर की भूमिका) जैसे कई काम करते हैं। इसके अलावा, वे टीम के विकेटकीपर और कभी–कभी कप्तान की भूमिका भी निभाते हैं। 99 ODI मैचों और 90 पारियों में, केएल राहुल ने 49.44 की औसत से 3,412 रन बनाए हैं। इसमें आठ शतक और 20 अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 112 रहा है। टेस्ट मैचों में, KL ने



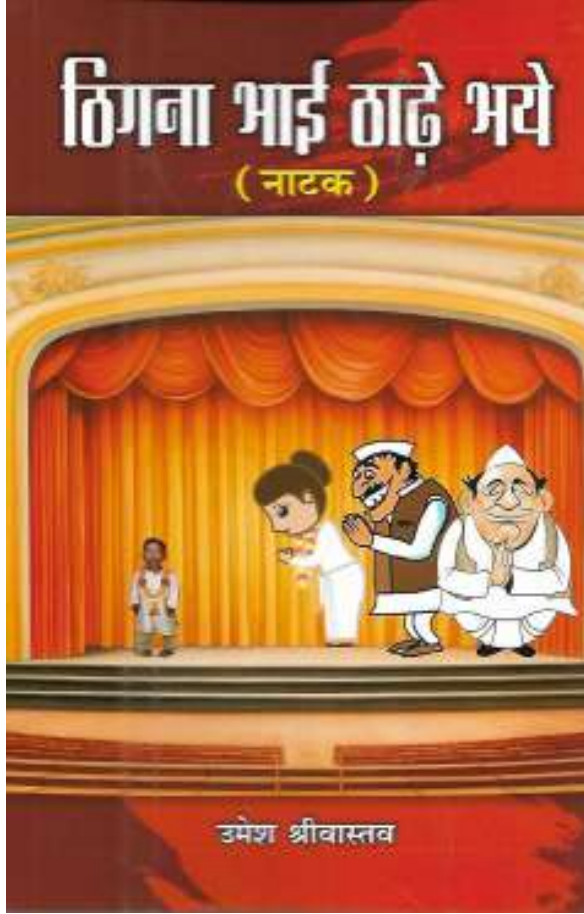
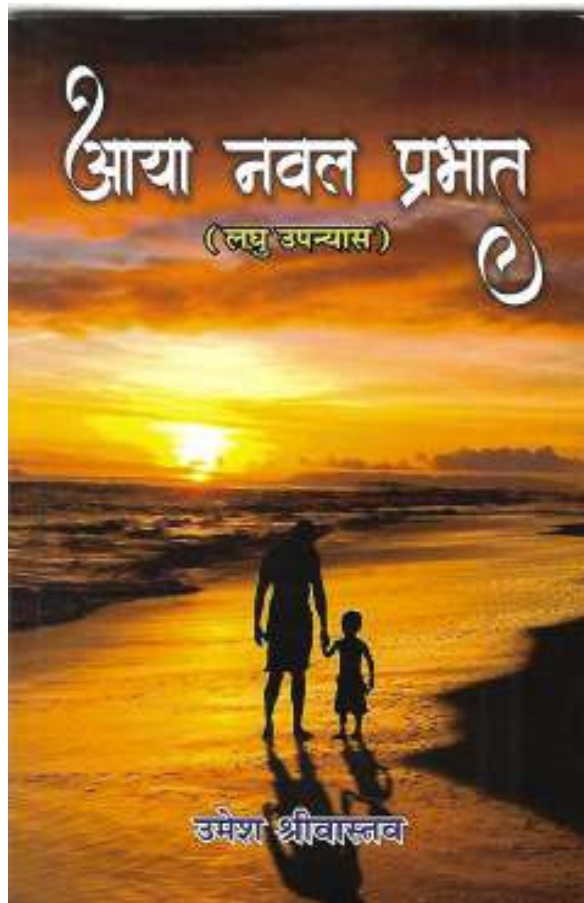
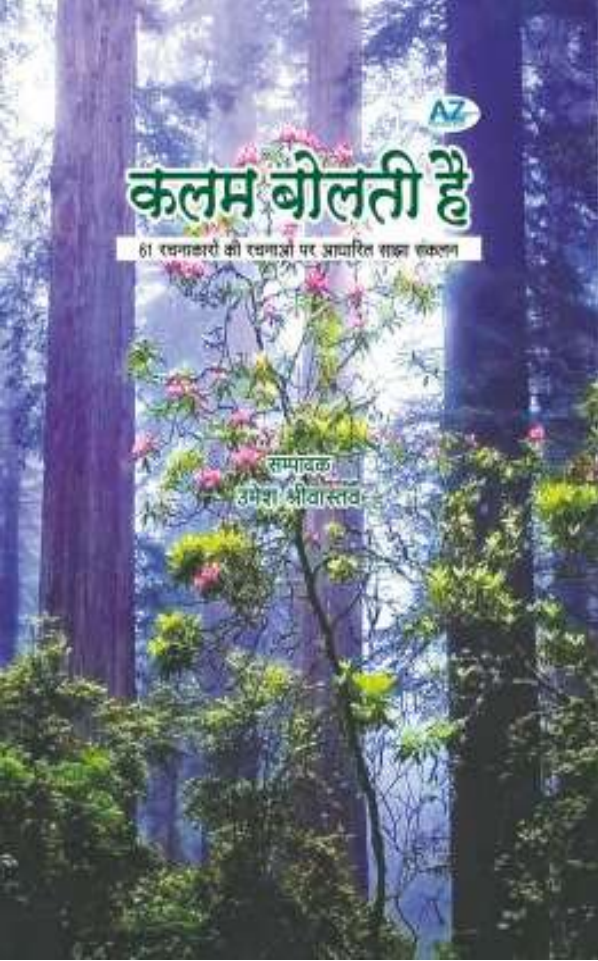
70 मैचों और 122 पारियों में 36.64 की औसत से 4,288 रन बनाए हैं। इसमें 12 शतक और 21 अर्धशतक शामिल हैं, और उनका बेस्ट स्कोर 199 रहा है। T20I मैचों में, केएल राहुल ने 72 मैचों और 68 पारियों में 37.75 की औसत और 139 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 2,265 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और 22 अर्धशतक शामिल हैं, और उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 110 रन है। केएल राहुल उन बेहतरीन व्क बल्लेबाजों में शामिल हैं जो अपनी निरंतरता और ODI के हिसाब से सही गति से खेलने की काबिलियत दिखाते हैं।



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

रुस ड्रोन अटैक: कीव में पावर ग्रिड पर रुस का भीषण हमला, बच्चे समेत 4 की मौत

रुस ने कीव और उसके आस-पास के इलाकों पर कई हफ्तों से जारी मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे, जिनमें एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई। रात भर हुए इन हमलों में पावर ग्रिड और एक अहम इंटरनेट एक्सचेंज पॉइंट को निशाना बनाया गया, जिससे सर्दियों की तैयारी कर रहे यूक्रेन पर दबाव और बढ़ गया है। अगस्त के आखिर से मॉस्को ने अपने हवाई हमलों को काफी तेज कर दिया है, तब से रुस हीटिंग और पानी की सप्लाई रोकने के लिए लगातार ऊर्जा



सुविधाओं पर हमले कर रहा है। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि अपने पड़ोसी देश पर हमले के साढ़े चार साल बाद भी, मॉस्को लड़ाई रोकने की अमेरिकी कोशिशों में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। मॉस्को का कहना है कि वह अस्थायी युद्धविराम के बजाय एक व्यापक समझौता चाहता है, लेकिन कीव उसकी इस मांग को ठुकरा देता है कि यूक्रेन अपनी जमीन सौंप दे। अधिकारियों के अनुसार, कीव में तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम चार अन्य घायल हो गए। शहर के पास एक और व्यक्ति, एक बच्चे की भी मौत हो गई। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख टिगुर तकाचेंको ने बताया कि बच्चे की मौत व्यापक कीव क्षेत्र के विशहोरोड में एक निजी घर में हुई और मलबे से तीन अन्य लोगों को बचाया गया। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि रुस का मुख्य निशाना कीव और आसपास के इलाकों में ऊर्जा से जुड़ा बुनियादी ढांचा था। उन्होंने इसे एक मुश्किल हमला बताया क्योंकि मॉस्को यूक्रेन की हवाई सुरक्षा प्रणालियों पर दबाव डाल रहा है। जेलेंस्की ने यूक्रेन को एयर डिफेंस में मदद देने वाले विदेशी देशों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे सर्दियां करीब आ रही हैं, हमें इस सुरक्षा की और ज़्यादा जरूरत है। उन्होंने कहा हमें यह पक्का करने के लिए हर मुमकिन कोशिश करनी होगी कि बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन के जरिए रुस का आतंक फैलाने का दांव कामयाब न हो। यूक्रेन के अधिकारियों का कहना है कि रुस बैलिस्टिक मिसाइलों और नए जेट-पावर्ड ड्रोन का इस्तेमाल करके देश की एयर डिफेंस सिस्टम की कमियों का फायदा उठा रहा है; इन दोनों को ही रोकना मुश्किल है। एयर रेड अलर्ट की वजह से रोज़मर्रा की जिंदगी में रुकावट आ रही है, लोगों को शेल्टर में जाना पड़ रहा है और आर्थिक गतिविधियों पर बुरा असर पड़ रहा है। यूक्रेनी वायु सेना के प्रवक्ता यूरी इहनात ने बताया कि रुस ने अगस्त में यूक्रेन पर 2,850 जेट-प्रोपेल्ड ड्रोन दागे थे, लेकिन इस महीने मंगलवार तक ही वह 3,177 ड्रोन लॉन्च कर चुका है।

ट्रम्प ने एआई का नाम बदलकर सुपर इंटेलिजेंस किया, टेक दिग्गजों ने किया मंथन, कितने स्तर पर होगी सुरक्षा निगरानी?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (I) कंपनियों के लीडर्स के एक ग्रुप ने व्हाइट हाउस में एक वॉलंटरी समझौते पर साइन किए हैं, जिसमें इस टेक्नोलॉजी की इंटरनल और एक्सटर्नल समीक्षा शामिल होगी। उन्होंने I—पावर्ड Iजमतपबंहवअ वेबसाइट भी लॉन्च की और कहा कि इससे लोगों के लिए सरकारी जानकारी और सेवाओं तक पहुँचना आसान हो जाएगा। ये घटनाक्रम एक ऐसे दिन हुए जब पूर्व स्पेशल काउंसल जैक स्मिथ ने सांसदों से कहा कि वे ट्रंप प्रशासन की ओर से मुकदमा चलाने की धमकियों से डरेंगे नहीं, जबकि अमेरिका ने ईरान की मिलिट्री सप्लाई चेन को निशाना बनाते हुए नए प्रतिबंधों की घोषणा की। इंडस्ट्री के नेताओं के साथ व्हाइट हाउस में मीटिंग और लंच के बाद बोलते हुए, ट्रंप ने कहा कि Iएग्रीमेंट प्णैतिक रूप से बाध्यकारी७ होगा और कहा कि उनका प्रशासन धूपूरे काम की निगरानी७ के लिए लगभग 10 लोगों की एक कमेटी बना सकता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी पहले से ही इस सेक्टर में बहुत ज़्यादा सेल्फ-पुलिसिंग देख रहे हैं और कंपनियाँ समझती हैं कि षन्हेँ खुद पर नज़र रखनी होगी७। इस समझौते की डिटेल तुरंत उपलब्ध नहीं थी। ट्रंप ने एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर भी साइन किया, जो मुख्य रूप से इस बात पर जोर देता था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सुपर इंटेलिजेंस कहा जाए।

यूएन मुख्यालय में एंटोनियो गुटेरेस से मिले जयशंकर, ग्लोबल साउथ और पश्चिम एशिया पर चर्चा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने जारी संघर्षों जिनमें पश्चिम एशिया के हालात और ग्लोबल साउथ के देशों पर उनका असर शामिल है। यह मुलाकात तब हुई जब जयशंकर यूएन महासभा के हार्ड-लेवल सप्ताह के दौरान अपने कार्यक्रमों को पूरा कर रहे थे। यूएन प्रमुख के कार्यालय के अनुसार, बातचीत में बहुपक्षवाद, भारत-यूएन सहयोग और व्यापक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों जिनमें यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व के हालात पर चर्चा हुई। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मिलकर खुशी हुई। हमारी बातचीत मौजूदा संघर्षों और उनके असर को कम करने की जरूरत पर केंद्रित रही, खासकर ग्लोबल साउथ पर पड़ने वाले असर को लेकर।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/ शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

अचानक फ्लाईदुबई विमान सऊदी अरब डायवर्ट, 180 यात्री थे सवार, मिला हाईजैक का कोड, तुरंत ही इजरायली फाइटर जेट्स ने घेर लिया पूरा आसमान

दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में हाईजैक का इमरजेंसी कोड एक्टिवेट होने के बाद उसे सऊदी अरब में सुरक्षित उतारा गया। करीब 180 इजरायली यात्रियों वाले इस विमान में किसी खतरे की पुष्टि नहीं हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना पायलटों के बीच विवाद के कारण हुई थी और इसकी जांच की जा रही है।

दुबई से तेल अवीव जाने वाली फ्लाईदुबई की कर्मशियल फ्लाइट ९1073, सऊदी अरब के ऊपर से गुजरते समय इमरजेंसी की स्थिति में आ गई। बोइंग 737 ने पहले सामान्य इमरजेंसी के लिए ट्रांसपोंडर स्क्वाॅक कोड 7700 भेजा, और फिर कोड 7500 पर स्विच किया, जो हाईजैकिंग या गैर—कानूनी दखल का संकेत देता है। विमान 15,000

उत्तर कोरिया के आरोपों पर भड़कीं किम जोंग उन, कहा

डीमिलिटराइज़्ड ज़ोन पर गोलीबारी हुई तो भुगतना होगा



उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन, किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया के उस दावे को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया था कि उत्तर कोरिया ने शायद ज़मीनी बारूदी सुरंगें (लैंड माइन्स) बिछाई थीं, जिनकी वजह से पिछले हफ्ते अंतर—कोरियाई सीमा के पास दक्षिण कोरिया के तीन सैन्य अधिकारी घायल हो गए थे। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर दक्षिण कोरियाई सेना सीमा पर मजबूती का काम कर रहे उत्तर कोरियाई सैनिकों पर गोलीबारी करती है, तो उत्तर कोरियाई सीमाई टुकड़ियाँ जवाबी कार्रवाई करेंगी। यह बयान तब आया जब दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के नेतृत्व वाली यूनाइटेड नेशंस कमांड के साथ शुरुआती संयुक्त



फीट की ऊंचाई पर नीचे आया और स्थिर होने से पहले उत्तरी सऊदी अरब के एयरस्पेस में तेजी से मुड़ा। यह घटना पश्चिम एशिया में सुरक्षा को लेकर बढ़ी हुई चिंताओं के बीच हुई। सूत्रों के मुताबिक, कई इजरायली यात्रियों को ले

जा रहा विमान सऊदी अरब में सुरक्षित उतर गया और इमरजेंसी की स्थिति सुलझा ली गई है। अधिकारी विमान का रास्ता बदलने के कारण की जांच कर रहे हैं, और इजरायली तथा सऊदी अधिकारियों के आधिकारिक

इलाके में गश्त का रास्ता बनाने का काम चल रहा था; इस इलाके में दशकों से शायद ही कोई गया हो। यह रास्ता न्च कमांड के साथ भविष्य के निरीक्षणों में मदद के लिए बनाया जा रहा था, क्योंकि दक्षिण कोरिया ने कहा था कि पिछले साल से इलाके की बनावट में कुछ बदलाव देखे गए हैं, जो शायद उत्तर कोरिया द्वारा बारूदी सुरंगें बिछाने की वजह से हुए हों। किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया के इस आकलन को साजिश भरा नाटक बताया और सियोल पर आरोप लगाया कि वह सैन्य उकसावे का बहाना बनाने के लिए बेबुनियाद दावे कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया का मजबूती बढ़ाने का काम उसकी संप्रभुता का जायज़ इस्तेमाल है और दक्षिण कोरिया पर आरोप लगाया कि वह उस काम में लगे उत्तर कोरियाई सैनिकों को चेतावनी जारी करके और चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाकर तनाव बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा हमारे सैनिकों ने कभी सीमा पार नहीं की और आगे कहा जब हमारी जमीन पर एक भी गोली चलेगी, तो उन्हें बहुत कुछ झेलने के लिए तैयार रहना होगा।

डोनाल्ड ट्रंप के तेल निकासी दावे पर वाएल अव्वाद का बयान, ईरान की अनुमति से ही मुमकिन आवाजाही

विदेश मामलों के जानकार वाएल अव्वाद ने बुधवार को कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से कमर्शियल जहाजों की आवाजाही ईरान की मंजूरी से हो रही हो सकती है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे पर टिप्पणी करते हुए यह बात कही, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि इतिहास में सबसे ज़्यादा तेल इसी अहम समुद्री रास्ते से निकाला गया है। Iछप से बात करते हुए अव्वाद ने कहा कि इस स्ट्रेट से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों को ईरानी गाइर्स से इजाजत लेनी पड़ती है, इसलिए तेल की

आवाजाही में किसी भी तरह की बढ़ोतरी का संबंध ईरान द्वारा जहाजों को गुज़रने की इजाजत देने से हो सकता है। उन्होंने कहा, षबैल्कुल, मेरा मानना घट्टै कि यह राजनयिक स्तर पर फेरबदल और न्च के अलग—अलग गलियारों के बीच राजनयिक बातचीत का दौर था। लोगों ने देखा कि अराजी अलग—अलग स्टेकहोल्डर्स और अमेरिका के उन

लोगों के साथ बहुत सक्रिय थे जो यह पक्का करना चाहते थे कि ईरान नाकेबंदी में ढील दे, क्योंकि अमेरिका ने ईरानी तटों पर कब्ज़ा कर रखा है और कमर्शियल जहाजों को आने—जाने नहीं दे रहा है। अव्वाद ने आगे कहा इसलिए मेरा मानना घट्टै कि कूटनीति जोरों पर है और वे संकट का समाधान खोजने की कोशिश कर रहे हैं।I हालांकि, प्रतिबंधों और नाकेबंदी पर अमेरिका के रुख का हवाला देते हुए अव्वाद ने कहा कि उन्हें बातचीत के नतीजों को लेकर ज़्यादा उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा, घ्सके बावजूद, मुझे इस बातचीत के नतीजों से ज़्यादा उम्मीद नहीं है क्योंकि अमेरिका अपनी नीति पर अड़ा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बहुत साफ कर दिया है कि उन्हें ईरान पर प्रतिबंधों या नाकेबंदी में ढील देने में कोई दिलचस्पी नहीं है, क्योंकि उन्हें लगता है कि उन्हें वह मिल रहा है जो वे चाहते हैं। मुझे लगता है कि वह स्थिति को और खराब कर रहे हैं। और पश्चिम एशिया में इसे और उलझा रहे हैं। अव्वाद की ये बातें तब सामने आईं जब मंगलवार को (स्थानीय समय के



गंभीरता से नहीं लेते। फिर भी, मैं कहूँगा कि अगर यह बात सच भी है, तो यह ईरान की मंजूरी से ही हो रहा होगा, क्योंकि ईरान ने यहाँ से गुजरने के लिए यह शर्त रखी है कि हर जहाज़, यानी कमर्शियल जहाज को ईरानी गाइर्स से मंजूरी लेनी होगी; इसलिए उन्हें तभी गुजरने दिया जाएगा जब उनके पास ईरान की सहमति होगी। उन्होंने हाल ही में न्च जनरल असंबली में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागवी की मुलाकातों का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि तेहरान ने संकेत दिया है कि अगर अमेरिका ईरान की सात शर्तों को मान ले, तो वह नाकेबंदी रोकने को तैयार है। उन्होंने कहा कि दूसरी वजह भी हाल ही में हुई न्च जनरल असंबली की बैठक हैरू ईरान ने साफ कर दिया है कि वे नाकेबंदी रोकने को तैयार हैं, और बदले में अमेरिका को ईरान की सात शर्तें माननी होंगी। वे अभी भी अमेरिकी पक्ष से जवाब का इंतज़ार कर रहे हैं। इसलिए हमें उम्मीद है कि यह दोनों पक्षों की ओर से एक अच्छा कदम हो सकता है।

बयानों का इंतज़ार है। कोड 7500 का इस्तेमाल विमान में गैर—कानूनी दखल (जिसमें विमान का अपहरण भी शामिल हो सकता है) का संकेत देने के लिए किया जाता है, हालांकि सिर्फ़ इस सिग्नल से जुड़ा एक नहीं चलता कि फ़्लाइट में

बांग्लादेश के 33,851 पूजा मंडपों की एनटीएमसी ऐप से होगी निगरानी 24 घंटे मुस्तैद रहेगी पुलिस

बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने बुधवार को आने वाली शारदीय दुर्गा पूजा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम, सरकारी फंडिंग बढ़ाने और छुट्टियों की अवधि बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा राष्ट्रीय, डिवीजनल, ज़िला और उपज़िला स्तर पर सरकारी एजेंसियों को सुरक्षा और सुचारु रूप से उत्सव मनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंत्री ने दुर्गा पूजा के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर गृह मंत्रालय में हुई एक उच्च—स्तरीय समन्वय बैठक के बाद ये योजनाएँ पेश कीं। बैठक में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों और हिंदू समुदाय के प्रमुख संगठनों जैसे बांग्लादेश पूजा उद्यापन परिषद, पूजा फ्रंट, कल्याण ट्रस्ट और महानगर सार्वजनीन पूजा समिति के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सलाहुद्दीन ने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में बांग्लादेश में धार्मिक और सामाजिक सद्भाव में काफी सुधार हुआ है। सुरक्षा जोखिमों के बारे में मंत्री ने कहा कि खुफिया एजेंसियों ने अब तक किसी भी मंडप को विशेष रूप से संवेदनशील या उच्च—जोखिम वाला नहीं माना है। हालाँकि, उन्होंने कहा कि

यूईई राष्ट्रपति से मिले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, ईरान ने दौरे को बताया क्षेत्र के लिए खतरा

इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की अबू धाबी की गुप्त यात्रा और यूईई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ उनकी मुलाकात के बाद ईरान ने बेहद खतरनाक नतीजों की चेतावनी दी है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने यूईई में नेतन्याहू की मौजूदगी की कड़ी निंदा की और क्षेत्र के देशों से कहा कि वे इज़राइल से जुड़े सुरक्षा खतरों को लेकर सतर्क रहें। मंगलवार को जारी एक बयान में मंत्रालय ने कहा इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ ईरान का विदेश मंत्रालय जायोनी शासन के बच्चों की हत्या करने वाले और युद्ध भड़काने वाले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) यात्रा की कड़ी निंदा करता है और क्षेत्र में कब्ज़ा करने वाले शासन की मौजूदगी के बेहद खतरनाक नतीजों के बारे में चेतावनी देता है। उन्होंने आगे कहा एक ऐसे अपराधी की मौजूदगी, जिसके हाथ लाखों बेगुनाह लोगों के खून से सने हैं और जिस पर अंतरराष्ट्रीय अदालतों में मुकदमा चल रहा है, बेहद खतरनाक और चिंताजनक है।

असल में क्या हुआ। खबरों के मुताबिक, विमान में करीब 180 इज़राइली यात्री सवार थे। I6—व्हाइ के तौर पर रजिस्टर्ड इस विमान ने सऊदी अरब के ऊपर अपना रास्ता बदल लिया। इजराइली मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इसे वहां उतारने के लिए दूसरी तरफ़ मोड़ दिया गया था। द जेरुसलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना पायलटों के बीच झगड़े की वजह से हुई। हालांकि, घटना के शुरुआती दौर में सुरक्षा अधिकारियों का कहना था कि

जानकारी साफ़ नहीं थी और पायलट व बाकी क्रू के बीच

बातचीत को लेकर अलग—अलग रिपोर्टें आ रही थीं। आर्मी रेडियो की रिपोर्ट के मुताबिक, विमान ने हाईजैक की कोशिश से जुड़ा एक इमरजेंसी कोड एक्टिवेट किया

और मदद के लिए सिग्नल (डिस्ट्रेस सिग्नल) भेजा। एक सुरक्षा अधिकारी ने वाला (संस) को बताया कि अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे थे कि विमान के अंदर क्या हो रहा था। एविएशन अथॉरिटी के एक अधिकारी ने कहा कि जब तक विमान लैंड नहीं कर जाता और अधिकारी अपनी जांच पूरी नहीं कर लेते, तब तब यह पक्के तौर पर बतान मुमकिन नहीं होगा कि क्या हुआ था।

इजराइल ने फाइटर जेट्स भेजे

रिपोर्ट के मुताबिक, संभावित इमरजेंसी को देखते हुए इज़राइल एयर फ़ोर्स ने अपना अलर्ट लेवल बढ़ा दिया और फाइटर जेट्स को रवाना किया। इस बात की तुरंत कोई पुष्टि नहीं हुई कि सच में विमान हाईजैक हुआ था या नहीं।



कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ पूरे उत्सव के दौरान पूरी तरह सतर्क रहेगी और कोई भी खतरा सामने आने पर तुरंत कार्रवाई करेंगी। सलाहुद्दीन ने बताया कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान के निर्देशों के बाद दुर्गा पूजा मंडपों के लिए सरकारी फंडिंग को 4 करोड़ টাকা से बढ़ाकर 5 करोड़ টাকা कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले साल के मुकाबले मंडपों की संख्या में भी लगभग 1,500 की बढ़ोतरी हुई है। बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी टै ने बताया कि इस साल देश भर में पूजा मंडपों की संख्या बढ़कर 33,851 हो गई है। हालांकि, दुर्गा पूजा के दौरान निगरानी को मजबूत करने के लिए अधिकारी नेशनल टेलीकम्युनिकेशन मॉनिटरिंग सेंटर (छज्जब) द्वारा पहले से इस्तेमाल किए जा रहे एक मोबाइल ऐप का इस्तेमाल

करेंगे। मंत्री ने कहा कि यह ऐप किसी भी अप्रिय घटना की जानकारी तेजी से फैलाने में मदद करेगा और अधिकारियों को शांतिपूर्ण और उत्सव का माहौल बनाए रखने के लिए तेजी से कार्रवाई करने में सहायता करेगा। टै की रिपोर्ट के मुताबिक, ज़िला—स्तर के अधिकारियों को इस सिस्टम का इस्तेमाल करने की ट्रेनिंग दी जा रही है, साथ ही पुलिस हेडक्वार्टर और डिवीजनल व जिला पुलिस स्तर पर 24 घंटे मॉनिटरिंग सेल काम

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव
शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
 उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरांज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर
289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
 उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsanta@gmail.com
 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

कमेंटों।। ए.जि.स. जने प